जीवन दर्शन

सुविधा और सम्मान दूसरों को देना चाहिए, लेने की कामना नहीं रखनी चाहिए - अज्ञात

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शुक्रवार 18 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 66 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

रैंप वॉक को सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

यूपी में 2 लाख नौकरियां योगी सरकार की इस साल की महारोजगार स्कीम

लखनऊः नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए यह खबर बेहद काम की हो सकती है. दरअसल, योगी सरकार इस साल की सबसे बड़ी रोजगार योजना लाने जा रही है. इस योजना के तहत दो लाख युवाओं को रोजगार दिलवाने का लक्ष्य तय किया गया है. आखिर क्या है यह योजना चलिए आपको आगे बताते हैं. योगी सरकार की योजना है कि प्रदेश के दो लाख से अधिक युवाओं को अग्निशमन विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण दिलवाकर निजी संस्थानों में फायर सेफ्टी ऑफिसर और अग्नि सुरक्षा कर्मी के पदों पर तैनाती दिलवाई जाए. सीएम योगी के आदेश पर अग्निशमन विभाग ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली है. यह योजना न केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी बल्कि प्रदेश को आपदा प्रबंधन और अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में भी अधिक सक्षम बनाएगी.

गुजरात के पाटन में दर्दनाक हादसा, बस और रिक्शा की टक्कर में 6 लोगों की मौत

पाटन. गुजरात के पाटन जिले में राधनपुर हाईवे पर समी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए. हादसा उस वक्त हुआ जब हारीज से तेज रफ्तार में आ रही एक बस ने एक ऑटो रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद रिक्शा में सवार 5 से अधिक लोग बस के नीचे आ गए. बस ने 5 यात्रियों को कुचल दिया, हादसे में कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को उपचार के लिए 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है. पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी मृतक राधनपुर के वाडी समुदाय से ताल्लुक रखते थे और वे राधनपुर से अपने घर लौट रहे थे.

आप नेता दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई का छापा, विदेशी फंडिंग मामले में एक्शन

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के घर गुरुवार को सीबीआई ने छापेमारी की है। सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई विदेशी फंडिंग से जुड़े मामले को लेकर हो रही है। सीबीआई ने बुधवार को आप के खिलाफ फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (के तहत केस दर्ज किया। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक- विदेशों में रहने वाले 155 लोगों ने 55 पासपोर्ट नंबरों का इस्तेमाल कर 404 बार में पार्टी को कुल ?1.02 करोड़ का डोनेशन दिया। कई डोनर्स ने एक ही पासपोर्ट नंबर का इस्तेमाल किया, जिससे फजीर्वाड़े का संदेह है।

वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश नियुक्तियां रोकीं, केंद्र सरकार से 7 दिन में मांगा जवाब

नई दिल्ली ■

वक्फ संशोधन कानून पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन करीब 1 घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को कानून पर जवाब देने के लिए 7 दिन का वक्त दिया है। सरकार के जवाब के बाद याचिकाकताओं को 5 दिन में जवाब देना होगा। अगली सुनवाई 5 मई को दोपहर 2 बजे होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून के खिलाफ दायर 70 से ज्यादा याचिकाओं की जगह सिर्फ 5 याचिकाएं ही दायर की जाएं। उन्हीं पर सुनवाई होगी। तब तक सरकार को तीन निर्देश मानने होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अगली सुनवाई 5 मई

सीजेआई संजीव खन्नाः सुनवाई के दौरान एसजी मेहता ने कहा कि प्रतिवादी 7 दिनों के भीतर एक संक्षिप्त जवाब दाखिल करना चाहते हैं और आश्वासन दिया कि अगली तारीख तक 2025 अधिनियम के तहत बोर्ड और परिषदों में कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अधिसूचना या राजपत्रित द्वारा पहले से घोषित उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ सहित वक्फ की स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। जवाब 7 दिनों के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए। उस पर जवाब सेवा के 5 दिनों के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए।

सिर्फ 5 मुख्य आपत्तियों पर ही सुनवाई करेगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, '110 से 120 फाइलें पढ़ना संभव नहीं हैं। ऐसे में ऐसे 5 पॉइंट तय करने होंगे। सिर्फ 5 मुख्य आपत्तियों पर ही सुनवाई होगी। सभी याचिकाकर्ता मुख्य बिंदुओं पर सहमति बनाएं। नोडल काउंसिल के जरिए इन आपत्तियों को तय करें।'

सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं।

एसजी तुषार मेहता ने कहा कि मैं संघ का प्रतिनिधित्व करने का सम्मानपूर्वक आग्रह कर रहा हूं। सवाल तो होंगे ही। कठिनाई यह है कि इसे स्पष्ट रूप से रखा जाए..ये ऐसे मुद्दे नहीं हैं जिनके कारण कुछ धाराओं को प्रथम दृष्टया पढ़ने के आधार पर इसे रोक दिया जाना चाहिए।

याचिका में 3 बड़ी बातें...

- कानून संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 25 (धार्मिक स्वतंत्रता), 26 (धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता), 29 (अल्पसंख्यक अधिकार), और 300अ (संपत्ति का अधिकार) का उल्लंघन करता है।
- वक्फ बोर्ड में गैर-मुसलमानों को शामिल करना और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को वक्फ संपत्ति का फैसला करने का अधिकार देना सरकारी हस्तक्षेप को बढ़ाता है।
- यह कानून मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव करता है, क्योंकि अन्य धार्मिक ट्रस्टों पर समान प्रतिबंध नहीं हैं।

अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं-धनखड़

नई दिल्ली ■

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जताई, जिसमें उसने राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी। धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर- राज्य सरकार के केस में गवर्नर के अधिकार की सीमा तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा था, राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध भी बताया था। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो 'सुपर संसद' के रूप में भी कार्य करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।'

'बार-बार वही सवाल पूछ रहे.... जिनके जवाब दे चुका हूं'-वाड्रा

नई दिल्ली ■

गुरुग्राम लैंड स्कैम केस में कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। पूछताछ के बाद मीडिया के सवालों को जवाब देते हुए वाड्रा ने कहा कि कोई नया सवाल नहीं पूछा गया, वही सवाल दोहराए गए जिनके जवाब मैं 2019 में दे चुका हूं। वाड्रा ने कहा, 'अगर कल पब्लिक हॉलिडे नहीं होता, तो मुझे अपना जन्मदिन ईडी ऑफिस में मनाना पड़ा। कल गुड फ्राइडे है और मैं अपना जन्मदिन अपने परिवार के साथ मनाऊंगा, वरना वे मुझे बुलाते रहेंगे।'

समन के जवाब में वाड्रा लगातार तीसरे दिन ईडी के समक्ष पेश हुए। वाड्रा ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए वाड्रा ने ईडी की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गैर-भाजपा दलों के नेताओं के खिलाफ चुनिंदा कार्रवाई की जा रही है। वाड्रा ने कहा, 'यह राजनीतिक प्रतिशोध है। एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह गलत है। जब देश में सीएम पद के किसी उम्मीदवार के पीछे एजेंसियां लग जाएं या कोई पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर रही हो, तो उन्हें परेशान किया जाए, तो एजेंसियों पर भरोसा कैसे होगा?'

सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर एमपी में गृहमंत्री शाह, जवानों को दिये वीरता पदक

नीमच ■

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार 17 अप्रैल को एक दिवसीय मध्य प्रदेश दौरे पर आए हैं। शाह नीमच में स्थित सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए हैं। अमित शाह ने यहां सबसे पहले राइजिंग-डे परेड की सलामी ली। साथ ही, परेड का निरीक्षण भी किया। इस दौरान एमपी के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सांसद सुधीर गुप्ता के साथ साथ नीमच जिले के तीनों विधायक उनकेसाथ कार्यक्रम में मौजूद है।

समारोह में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियों द्वारा परेड की गई। इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने वीरता पदकों के लिए चयनित सीआरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया। कोबरा, आरएएफ, वैली क्यूएटी और डॉग स्क्वॉड जैसी इकाइयों ने विशेष प्रस्तुति दी। शहीद स्थल पर गृहमंत्री शाह बल के वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि, अमित शाह ने शहीद जवानों के परिवारों, परेड कमांडरों और जवानों के साथ संवाद भी किया।

31 मार्च 26 तक देश से खत्म होगा नक्सलवाद-शाह

अपने संबोधन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि, आने वाली 31 मार्च 26 तक देशभर से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। उन्होंने आगे सीआरपीएफ की सराहना करते हुए कहा कि, ये सब इन्हीं के कारण संभव होगा। शाह ने ये भी कहा कि, सीआरपीएफ की ही वजह से आज देश में नक्सलवाद सिर्फ चार जिलों तक सीमित होकर रह गया है।

नापाक इरादे नाकाम करने में अहम भूमिका

अमित शाह के अनुसार, कश्मीर की वादियों में नापाक इरादे रखकर अशांति फैलाने वाले आतंकियों से लड़ना हो, चाहे पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने के लिए तैनात होना हो, या पशुपति से तिरुपति तक लाल आतंक फैलाने का हौसला रखने वाले नक्सलियों को चार जिलों में समेटकर रखना हो, इन सभी में सीआरपीएफ के जवानों का बड़ा योगदान है। सीआरपीएफ का 86वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हुए। समारोह की शुरूआत में अमित शाह ने राइजिंग-डे परेड की सलामी ली। समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत जिले के कई दिग्ज नेता शामिल हुए।

शाह के घर हुई अहम बैठक:एक हफ्ते में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर अहम बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक एक हफ्ते के भीतर पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा हो सकती है। बैठक में कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के अध्यक्षों के नामों पर चर्चा हुई है। अगले दो-तीन दिनों में करीब आधा दर्जन राज्यों के अध्यक्षों की घोषणा हो सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया 20 अप्रैल के बाद कभी भी शुरू हो सकती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी में होना था, लेकिन अप्रैल आधा बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है।

बंगाल सरकार की मुर्शिदाबाद हिंसा...

हालात काबू में, कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश- सेंट्रल फोर्स तैनात रहेगी

मुर्शिदाबाद ■

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने पर गुरुवार को आदेश सुरक्षित रख लिया। हाईकोर्ट ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से एक-एक सदस्य वाला पैनल हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करे।

जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस राजा बसु चौधरी की बेंच नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। केंद्र की ओर से पेश हुए वकील ने संवेदनशीलता को देखते हुए मुर्शिदाबाद में सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) की तैनाती बढ़ाने की मांग रखी। जिले के सुती और समसेरगंज-धुलियान के अशांत इलाकों में फिलहाल केंद्रीय बलों की करीब 17 कंपनियां तैनात हैं। एक याचिका में हिंसा से विस्थापित लोगों की उनके घरों में वापसी के लिए राज्य सरकार की तरफ से कदम उठाए जाने का अपील की।

बंगाल के 25 हजार शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए।

टाइम मैगजीन की 100 प्रभाव-शाली लोगों के नाम जारी

वॉशिंगटन ■

टाइम मैगजीन ने बुधवार को साल 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की। इसमें बांग्लादेश सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है। हालांकि इस बार लिस्ट में किसी भी भारतीय को शामिल नहीं किया गया है। पिछले 21 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है।

पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने टाइम मैगजीन में मोहम्मद यूनुस के लिए लिखा कि वह बांग्लादेश को मुश्किलों से बाहर निकाल रहे हैं और मानवाधिकारों को बहाल कर रहे हैं। यूनुस जवाबदेही की मांग करने के साथ ही स्वतंत्र समाज की नींव रख रहे हैं। प्रभावशाली लीडर्स में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क को भी जगह मिली है। इस बार ट्रम्प प्रशासन के छह सदस्य लिस्ट में शामिल हैं। ट्रम्प को इससे पहले टाइम मैगजीन ने 2016 और 2024 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर चुना था। 2025 की लिस्ट में मशहूर सिंगर ईडी शिरीन, अमेरिकी एक्टर और सिंगर स्कारलेट जोहानसन, मेटा के उएड मार्क जुकरबर्ग को भी शामिल किया गया है। इस साल मैगजीन ने कुल 6 कैटेगरी में 32 देशों के लोगों को शामिल किया है।

व्यंग्य : कांग्रेस के हाल : सुख भरे दिन बीते : मोदी आए दुख आयो ..!

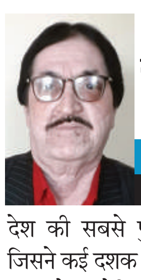

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस

GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस जिसने कई दशक तक देश में सत्ता का सुख भोगा, लेकिन 2014 के बाद से यह गीत पार्टी पर सार्थक हो रहा है कि 'सुख भरे दिन बीते, 2014 से दुख आयो रे ' और वाकई में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ऐसा ही कुछ हो चुका है. पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी व राहुल गांधी पर केस दर्ज हो चुका है और पार्टी ने मोदी सरकार पर बदले की भावना से कार्रवाई का आरोप लगाकर देश भर में ईडी कार्यालय पर प्रदर्शन कर दिया..?

गांधी परिवार कोर्ट में सिद्ध कर दे नहीं खाया तो बचेंगे : वरना मोदी ने कहा था..?

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में जारी संकट का दौर कब खत्म होगा, इस बारे में निश्चित कुछ भी नहीं कहा जा सकता..? कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा गांधी परिवार से शुरू हुआ संकट कांग्रेस के नेताओं, कुछ राज्यों के मंत्रियों और देश भर में मौजूद कार्यकताओं तक पहुंच चुका है. कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी व राहुल गांधी पर ईडी की चार्जशीट से मामला गरमाया हुआ है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने देश भर में ईडी के कार्यालय पर प्रदर्शन किया और मोदी सरकार पर बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है, लेकिन क्या यह आरोप सही है या गांधी परिवार ने वाकई में मीडिया के नाम पर घोटाला किया है, इस सन्दर्भ में इतना ही कहा जा सकता है कि बिना पुख्ता सबूत के कोई भी एजेंसी चार्जशीट दायर करने का इतना

बड़ा रिस्क कैसे ले सकती है. कुछ ना कुछ तो गड़बड़ी है तभी तो पार्टी में इतनी बैचेनी है. क्या देश भर में विरोध से भ्रष्टाचार को छिपाया जा सकता है..? गांधी परिवार पर ही आंच नहीं अपितु परिवार के दामाद राबर्ट वाड्रा भी जमीन घोटाले में उलझे हैं, तो उन्हें सिद्ध करना चाहिए कि 7.5 करोड़ की जमीन 58 करोड़ में नहीं बेची. गांधी परिवार महज यह कहने से कैसे बच सकता है कि कार्रवाई सिर्फ राजनीतिक प्रतिशोध है.कोर्ट में सिद्ध करना होगा कि आरोप झूठे हैं, सिद्ध करने पर ही बचाव संभव है, वरना मोदी कह चुके हैं कि जिन्होंने खा लिया, उन्हें जेल पहुंचाएंगे..?

नीरव मोदी, माल्या भी कह देंगे: मोदी सरकार बदला ले रही..?

घोटाले करने वाले नेताओं में से अधिकांश यही कह देते हैं कि मोदी सरकार प्रतिशोध ले रही है. मोदी सरकार के पास क्या कोई और काम नहीं है.. कांग्रेस से सोनिया व राहुल गांधी या राबर्ट वाड्रा का मामला है तो बोला गया मोदी सरकार बदला ले रही है. बिहार में चारा घोटाले, जमीन के बदले नौकरी जैसे घोटाले वाला लालू यादव का परिवार हो या झारखण्ड का सोरेन परिवार या महाराष्ट्र का शरद पवार परिवार सभी मोदी सरकार को दोष देते रहे हैं. यूपी में अखिलेश यादव के करीबी भ्रष्टाचार में पकड़े जाएं तो वे भी बदले की कार्रवाई बता देते हैं, सबसे बड़ा सवाल यही है कि भ्रष्टाचार रोकना क्या बदले की कार्रवाई है, कल से तो अरबों के घोटाले वाले नीरव मोदी, माल्या भी कह देंगे मोदी सरकार हम से बदला ले रही है..?

बेहतरीन बॉलिंग से मुंबई को मिली दूसरी जीत...

मुंबई ■

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के 18वें सीजन में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली है। टीम ने गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद को 4 विकेट से हरा दिया। विल जैक्स ने 36 रन बनाए, उन्होंने बॉलिंग करते हुए 2 विकेट भी लिए। एमआई ने इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को हराया था।

वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने बॉलिंग चुनी। बेहतरीन बॉलिंग के सामने हैदराबाद ने 5 विकेट खोकर 162 रन बनाए। मुंबई ने 18.1 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने 26, रायन रिकेलटन ने 31 और सूर्यकुमार यादव ने 26 रन बनाए। हैदराबाद से कप्तान पैट कमिंस ने 3 विकेट लिए। मिडिल ओवर्स में बॉलिंग करने आए विल जैक्स ने 3 ओवर में महज 14 रन दिए। उन्होंने ट्रैविस हेड और ईशान किशन को पवेलियन भी भेजा। जैक्स ने फिर बैटिंग से कमाल दिखाया, वे नंबर-3 पर उतरे और सूर्यकुमार यादव के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। जैक्स ने 36 रन बनाए।

न्यूज ब्रीफ

अवैध एम्बुलेंस संचालन पर की गई सख्त कार्रवाई, एमवाय हॉस्पिटल क्षेत्र में विशेष जांच अभियान, 5 एम्बुलेंस जप्त

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल क्षेत्र में अवैध एम्बुलेंस संचालन पर आज अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की गई। आज की गई कार्रवाई में अवैध रूप से संचालित 5 एम्बुलेंस जप्त की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन को प्राप्त सूचनाओं के अनुसार एमवाय हॉस्पिटल तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों में कुछ एम्बुलेंस संचालक निजी अस्पतालों से संपर्क कर शासकीय अस्पताल के मरीजों को निजी अस्पतालों में रेफर कर रहे थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए श्री जैन के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी इंदौर श्री प्रदीप कुमार शर्मा, एआरटीओ श्री राजेश गुप्ता एवं विशेष जांच दल प्रभारी परिवहन निरीक्षक श्री जितेन्द्र गुर्जर के नेतृत्व में आज एमवाय हॉस्पिटल परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र में आकस्मिक जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान एम्बुलेंस क्रमांक MP41TA0836, MP12DA0194, MP09AD2547, MP09AC1868 तथा MP09DE1627 की जांच की गई। जांच के समय ये वाहन बिना वैध दस्तावेजों के संचालित होते पाए गए तथा इनमें आवश्यक बुनियादी चिकित्सकीय सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं थीं। उल्लंघन पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए इन पांचों एम्बुलेंस वाहनों को जप्त कर आरटीओ कार्यालय परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से खड़ा किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा यह जांच एवं कार्यवाही भविष्य में भी निरंतर जारी रखी जाएगी।

डकाच्या ग्राम पंचायत में बनने वाले कबड्डी स्टेडियम का जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया निरीक्षण

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जिले की ग्राम पंचायत डकाच्या में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) म.प्र. शासन द्वारा स्वीकृत सर्वसुविधायुक्त कबड्डी स्टेडियम के निर्माण कार्य का जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने निर्माण स्थल का अवलोकन कर अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्ण और समयसीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेडियम का निर्माण कार्य आगामी 65 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस प्रस्तावित स्टेडियम की कुल लागत 3 करोड़ 16 लाख रुपये है। स्टेडियम का कुल क्षेत्रफल 1350 वर्ग मीटर (14526 वर्गफुट) रहेगा, जिसका माप 30 बाय 45 मीटर (लगभग 1 बीघा) है। इसमें दर्शकों के बैठने की क्षमता 500 दर्शक होगी। स्टेडियम परिसर में 2 कबड्डी ग्राउंड, 5 कमरे जिनमें बाथरूम एवं टॉयलेट की सुविधा रहेगी, तथा 5 दुकानें पेवेलियन के पीछे के बाहरी भाग में बनाई जाएंगी। पुरुष और महिला के लिए अलग-अलग बाथरूम और टॉयलेट की व्यवस्था की जाएगी। सम्पूर्ण परिसर जीआई शीट से कवर रहेगा। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और उन्हें बेहतर सुविधाएं देने के लिए यह स्टेडियम मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण अंचलों में भी खेल अधोसंरचना का विकास कर युवाओं को अवसर प्रदान किए जाएं। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के पदाधिकारी और ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

श्रद्धा प्राथमिक भंडार में मिली गंभीर लापरवाही, नोटिस जारी

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में उपभोक्ताओं के ईकेवायसी करने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के क्रियान्वयन में लापरवाही पाये जाने पर एक उचित मूल्य दुकान के विक्रेता एवं प्रबंधक को खाद्य विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम. एल. मारू ने बताया कि दुकान संचालक को दस अप्रैल को प्रशिक्षण के दौरान ई-केवायसी से शेष 464 लोगों के शेष सूची दी गई थी। निरीक्षण के दौरान दुकान पर सूची उपलब्ध नहीं पायी गई। दुकानदार द्वारा शेष हितग्राहियों को सूचना भी नहीं दी गई। उनके केवाईसी भी दर्ज नहीं किए गए। रात्रि कालीन या सुबह कैंप भी नहीं लगाई जा रहे है। उक्त दुकानदार द्वारा हितग्राहियों के घर-घर जाकर केवाईसी करने के निर्देश का भी पालन नहीं किया गया। विगत शनिवार को भी जिला आपूर्ति नियंत्रक के निरीक्षण में उक्त दुकान बंद पाई गई थी। इन लापरवाहियों को देखते हुए उपभोक्ता भंडार के विक्रेता रामकिशन जोगी तथा प्रबंधक उदयशंकर गुप्ता को तीन दिवस में जवाब प्रस्तुत करने नोटिस जारी किया गया है। तीन दिवस में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने पर तथा केवाईसी पूर्ण नहीं करने पर दुकान निलंबन की कार्रवाई एवं अन्य विधिक करवाई की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने की तारीफ, निगम ने भद्द पिटाई, कैमरों के सामने लगाए टीन शेड, अपराधियों की बल्ले बल्ले, दस करोड़ रुपए खर्च किए गए

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम का प्रयोग पुलिस पर भारी पड़ रहा है और अपराधियों की बल्ले बल्ले हो गई है। भीषण गर्मी में वाहन चालकों को राहत देने के लिए इंदौर नगर निगम ने चौराहों पर टीन शेड लगवाए हैं। इनसे गर्मी से तो राहत मिल रही है लेकिन पुलिस के द्वारा लगवाए गए कैमरों के सामने का पूरा व्यू ही बंद हो गया है। पिछले महीने ही मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विधानसभा में तारीफ करते हुए कहा था कि इन कैमरों की वजह से बड़ी संख्या में पुलिस अपराधियों को पकड़ रही है और अब एक महीने के बाद ही निगम के इस प्रयोग ने पुलिस को हैरान कर दिया है।

पिछले महीने मुख्यमंत्री ने विधानसभा में की तारीफ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले महीने विधानसभा में कहा कि इंदौर के चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे केवल वाहन चालकों का चालान बनाने के लिए नहीं लगाए गए हैं। इन कैमरों की मदद से इंदौर पुलिस द्वारा अब तक 236 अपराधी पकड़े गए हैं। डॉ. यादव ने बताया कि इंदौर में यह कैमरे 3 नवंबर 2023 से लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा मार्च में यह भी बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से लेकर अब तक 14 महीने में चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से इंदौर पुलिस द्वारा 9.10 लाख चालान बनाए गए हैं। इनमें दोपहिया वाहन के चालक द्वारा हेलमेट नहीं लगाए जाने के 8.90 लाख चालान बनाए गए हैं। विधानसभा में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह भी जानकारी दी कि इंदौर के चौराहों पर कुल 356 कैमरे लगे हैं। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत इन्हें लगाया गया है जिसमें 10 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

निगम कमिश्नर बोले हरी नेट लगाना थी शेड लग गए

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि गर्मी में दो पहिया वाहन चालकों, राहगीरों को धूप से बचाने के लिए कई संस्थाओं ने ग्रीन नेट लगाने का निवेदन किया था। इसके बाद उन्होंने चौराहों पर शेड लगा दिए। पक्के शेड लगाए और उन पर विज्ञापन कर दिया, जो बिल्कुल भी नियमसंगत नहीं है। ऐसे सभी लोगों को चेतावनी दी है कि या तो वे उन्हें हटा ले या विज्ञापन को हटा दे। क्योंकि हम सेवा करने के भाव से आए हैं, लेकिन नियमों का पालन करना सभी के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे सभी लोगों को समय दिया है, अगर विज्ञापन नहीं हटते है तो हम सफेद पेंट कर देंगे।

कई जगह लगी है हरी नेट

उल्लेखनीय है कि चौराहों पर तेज गर्मी में खड़े रहना दो पहिया वाहन चालाकों के लिए परेशानी का कारण बन जाता है। ऐसे में वे चौराहे के पास पेड़ की छांव के नीचे रुक जाते हैं। ऐसे में ग्रीन नेट या इस तरह के शेड से धूप से बचाव हो जाता है और वे चौराहे पर रुक जाते है। गौरतलब है कि पिछले साल भी गर्मी में अधिकतर चौराहे पर ग्रीन नेट लगाई गई थी, जिससे वाहन चालकों को धूप में चौराहे पर खड़े रहने के दौरान राहत मिली थी। इस बार ग्रीन नेट और इन शेड के कारण गर्मी में चौराहे पर रुकने में कुछ समय के लिए धूप से राहत मिल रही है।

विज्ञापन से विवादों में आए टीन शेड

नगर निगम ने विज्ञापनदाताओं से मदद लेकर चौराहों पर यह टीन शेड लगवाए और शेड लगते ही यह विवादों में आ गए। बहुत कम राशि खर्च कर कई बड़े ब्रांड्स ने यह शेड शहर के प्रमुख चौराहों पर लगवाए जिससे उन्हें खासा प्रचार मिल रहा है।

हर चौराहे पर लग रहे शेड

निगम ने अभी पलासिया, इंद्रप्रस्थ, हाईकोर्ट समेत कई प्रमुख चौराहों पर टीन शेड लगाए हैं। भविष्य में निगम की लगभग सभी चौराहों पर शेड लगाने की योजना है। हालांकि यह साफ नहीं हुआ है कि यह काम कब तक हो जाएगा।

हमने जानकारी दे दी है, स्मार्ट सिटी के अधिकारी सुधार करेंगे

पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक अरविंद तिवारी ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी है। शेड की वजह से कैमरे पूरी तरह ढंक गए हैं। जहां पर शेड गलत लगे हैं वहां कैमरों की पोजिशन में बदलाव होगा और जहां पर शेड लगने का काम होने वाला है वहां पर कैमरों को सुरक्षित रखते हुए शेड लगाए जाएंगे।

इंदौर के रुट पर चलेंगी एसी लग्जरी बसें बीआरटीएस पर चालीस बस स्टॉप बनेंगे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में एक तरफ जहां बीआरटीएस हटाने की तैयारी हो रही है, वहीं दूसरे रुटों पर लोक परिवहन बस की सुविधाएं बढ़ाने के लिए भी निर्णय लिए जा रहे है। एआईसीटीएसएल की बोर्ड बैठक में गुरुवार को तय हुआ है कि इंदौर के कुछ रुटों पर लग्जरी एसी बसें चलाई जाएंगी। इसका किराया थोड़ा ज्यादा हो सकता है, लेकिन यात्रियों का सफर सुविधाजनक होगा। यह बसें इलेक्ट्रानिक होंगी।

इंदौर के पर्यटन स्थलों से जोड़ने वाले रुटों को इस पर चलाया जाएगा,ताकि इंदौर आने वाले यात्री इन बसों का इस्तेमाल कर सके। इसके अलावा शहर के नए रुटों पर भी बसों का संचालन किया जाएगा और व्यस्त रुटों पर यात्री बसों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बैठक में एआईसीटीएसएल बोर्ड के उपाध्यक्ष दीपक सिंह, निदेशक एवं जिलाधीश आशीष सिंह, प्रबंध निदेशक एवं निगमायुक्त शिवम वर्मा, निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी आई डी ए रामप्रकाश अहिरवार और ए आई सी टी एस एल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह मौजूद थे।

बीस बस स्टॉप हटेंगे, चालीस नए बनेंगे

बीआरटीएस की बस लेन में बने बीस बस स्टॉपों को हटाया जाएगा। इसके बदले सड़क के दोनों तरफ चालीस नए बस स्टॉप बनेंगे। बीआरटीएस पर अब मिक्स लेन में बसों का संचालन होगा और वे इन नए बस स्टॉपों पर रुकेंगी। वर्तमान में जो बसें इंदौर के बीआरटीएस पर चलती हैं। उनके दरवाजे बस स्टॉप की ऊंचाई के हिसाब से डिजाइन किए गए हैं। उसका ध्यान भी नए बस स्टेशनों को बनाने में रखा जाएगा।

श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स की शेष 153 दुकानों के नये टेंडर 20 को होंगे जारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन, किराया आदि को लेकर बैठक संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर (माफी अधिकारी) श्रीमती कल्याणी पांडे, संयुक्त आयुक्त श्रीमती सपना लोवंशी एवं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों से श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन, किराया राशि जमा करने की कार्यवाही, एग्रीमेंट एवं अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया एवं किराया राशि जमा करने की प्रक्रिया समयावधि में पूर्ण करायें। बैठक में बताया गया कि दुकानों के लीज, एग्रीमेंट सम्पादन, किराया राशि जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च थी, जिसे दुकानदारों के आग्रह पर बढ़ाकर इसे 15 अप्रैल किया गया था। अब तक मात्र 68 दुकानदारों ने ही किराया राशि लीज-एग्रीमेंट के लिए कार्यवाही की थी। नियमानुसार जिन दुकानदारों ने 15 अप्रैल तक निर्धारित राशि/ प्रीमियम राशि/ अमानत राशि/ प्रतिमाह किराया की बकाया राशि का शत-प्रतिशत भुगतान नहीं किया है, उनका आवंटन स्वमेय निरस्त माना जायेगा। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संयुक्त कलेक्टर (माफी अधिकारी) श्रीमती कल्याणी पांडे को निर्देश दिए कि जिन 153 दुकानों के आवंटन नहीं हुए हैं, उनके नये टेंडर पुनः 20 अप्रैल को जारी किये जाये।

मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निदेर्शानुसार इंदौर जिले में गठित जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा लगातार? जाँच की जा रही है। इसी क्रम में जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल कृषि विभाग इंदौर द्वारा गत 07 अप्रैल को 217-एस.आर. कम्पाउण्ड लसुडिया मोरी देवास नाका का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. जलगांव महाराष्ट्र के उत्पाद अकार्बनिक सूक्ष्म तत्व, मिश्रण उर्वरक, जैव उर्वरक, बायो स्टीमुलेंट अवैध रूप में भण्डारित पाये गये। उक्त अनियमितता उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) नियंत्रण आदेश 1985 का उल्लघंन होने से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत दण्डनीय अपराध है। मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. के विरूद्ध पुलिस थाना लसुडिया मोरी देवास नाका इंदौर में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा जाँच की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा अनियमितता पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

इंदौर का सबसे बड़ा शासकीय आयुष चिकित्सालय मांगलिया में बनकर तैयार

चिकित्सालय भवन को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर अगले महिने किया जायेगा शुरू

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर का सबसे बड़ा 60 बिस्तरों वाला शासकीय आयुष (आयुर्वेद) चिकित्सालय का नवीन भवन लगभग बनकर तैयार हो गया है। इस भवन की साज-सज्जा और अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कर इसका शुभारंभ अगले मई महिने में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और श्री इन्दर सिंह परमार जी की उपस्थिती में किया जायेगा। इस भवन की लागत लगभग 6 करोड़ रुपये है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज मांगलिया पहुंचकर निर्मित भवन का निरीक्षण किया। बताया गया कि इस भवन का सिविल वर्क पूर्ण हो गया है। अब केवल चिकित्सकीय सुविधाएं उपकरण स्थापित करने का कार्य ही बाकी है। यह भी जल्द ही पूरा हो जायेगा। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से कहा कि यह मानव सेवा और स्वास्थ्य का बड़ा मंदिर बन रहा है। हमारा फर्ज है कि इस स्थान की महत्ता को देखते हुए हम इसके रखरखाव पर विशेष ध्यान दें। जनभागीदारी से सुविधाओं का विस्तार करें। उन्होंने आयुष विभाग के चिकित्सकों और अन्य स्टॉफ से कहा कि वे पूरा मन लगाकर मानव सेवा करें। उन्होंने कहा कि अस्पताल में जो भी सुविधाएं बढ़ाना होगी उसके लिए राज्य शासन द्वारा सभी संभव प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने अस्पताल के स्टॉफ बढ़ाने तथा और नये कार्यों के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश भी दिये।

संगति और आत्म-विकास!!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...

dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, एआई और तकनीक के बदलाव भरे इस युग में इंसानी मस्तिष्क का मुक़ाबला तकनीकी मस्तिष्क से है और मेरी नजर में इस मुक़ाबले को तार्किक बुद्धि से जीत पाना शायद असंभव है। क्योंकि तार्किक बुद्धि फैक्ट, फिगर्स और तर्कों याने पूर्व में उपलब्ध डेटा पर आधारित होती है। इन सब में इंसानी मस्तिष्क का तकनीकी मस्तिष्क से जीत पाना असंभव है। अगर आप ऐसे डिसरप्टिव याने विघटनकारी युग में ख़ुद को रेस में बनाए रखना चाहते हैं तो मेरा सुझाव है कि प्रतिदिन आत्म-विकास और अपनी रचनात्मकता पर ध्यान दीजिए।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

जी हाँ! आज के बदलाव भरे इस युग में रचनात्मक आत्म-विकास का इतना ही महत्वपूर्ण स्थान है। रचनात्मक आत्म-विकास न केवल हमारी रचनात्मकता, ज्ञान, नजरिये और क्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है, बल्कि हमारे जीवन की दिशा और गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। वैसे तो पूर्व में मैं आपको रचनात्मक आत्म-विकास के कई सूत्र बता चुका हूँ, पर आज हम पद्मपुराण में वर्णित हंस और शिकारी की कथा से आत्म-विकास में संगति की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने का प्रयास करेंगे। यह कथा एक दयालु और परोपकारी हंस और बिगड़ैल कौए की है। कथा में एक शिकारी पेड़ के नीचे आराम करने के लिए बैठ जाता है। अत्यधिक थकान के कारण कुछ ही क्षणों में उसकी आँख लग जाती है। कुछ देर बाद सूरज चढ़ने के कारण शिकारी के चेहरे पर धूप आने लगी। जिसे देख पेड़ की शाखा पर बैठे हंस ने अपने पंखों को फैला दिया और शिकारी को छाया देने लगा। लेकिन तभी वहाँ एक कौआ आया और हंस के क़रीब बैठ गया। हंस ने कौए का एक दोस्त के समान स्वागत किया। पर कौआ तो कौआ ठहरा, वहाँ से जाते वक्त उसने शिकारी पर मल विसर्जित किया और उड़ गया। जिसके कारण शिकारी क्रोध में उठा और पेड़ पर बैठे हंस को मार गिराया। वैकुंठ लोक जाकर जब हंस ने इसकी वजह पूछी तो ईश्वर ने उसे बताया कि उसका ऐसा हश्र ग़लत संगत के कारण हुआ है। दोस्तों, यह कथा हमें यह सिखाती है कि संगति का हमारे जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव होता है। हंस की तरह, अगर हम भी अच्छे कार्यों को करते हुए भी ग़लत संगति में रहते हैं, तो हम भी अनचाहे संकटों का शिकार हो सकते हैं। संभव है कि अभी भी आप संगति और आत्म-विकास के आपसी संबंध को लेकर संशय में हों, तो चलिए पहले हम इस विषय पर चर्चा कर लेते हैं। दोस्तों, आत्म-विकास का तात्पर्य केवल पुस्तकों से ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि यह हमारी सोच, विचारधारा और निर्णय लेने की क्षमता को सुधारने से जुड़ा हुआ है। यदि हम सकारात्मक और बुद्धिमान लोगों की संगति में रहते हैं, तो हमारी सोच भी वैसी ही विकसित होती है। इसके विपरीत, यदि हम नकारात्मक और अज्ञानी लोगों के संपर्क में रहते हैं, तो उनका प्रभाव भी हमारे व्यक्तित्व पर पड़ता है। इसलिए ही मैंने आत्म-विकास के लिए हमारी संगति को भी महत्वपूर्ण माना है। आइए अब हम संक्षेप में अच्छी संगति चुनने के 4 सूत्र सीख लेते हैं-

पहला सूत्र - बुद्धिमान और सच्चरित्र लोगों के आस-पास रहें क्योंकि ऐसा करना आपको उन लोगों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करेगा जिनकी सोच और कार्य, नैतिक रूप से मजबूत हैं, उनसे प्रेरणा लें।

दूसरा सूत्र - नकारात्मकता से बचें क्योंकि ऐसे लोग आपकी सोच को नकारात्मक बनाकर आपके अंदर अनावश्यक संशय पैदा कर सकते हैं।

तीसरा सूत्र - आत्मनिरीक्षण के लिए समय निकालें क्योंकि आत्मनिरीक्षण करना हमें ख़ुद के जीवन पर पड़ने वाले संगति के प्रभाव को पहचानने में मदद करता है।

चौथा सूत्र - ज्ञान और अच्छाई की ओर अग्रसर रहें। ऐसा करना आपको प्रतिदिन बेहतर बनने में मदद करेगा। इसके लिए पुस्तकें पढ़ें, अच्छे विचारों को आत्मसात करें और सकारात्मक गतिविधियों में भाग लें।

अंत में दोस्तों मैं सिर्फ़ इतना कहना चाहूँगा कि हमारे जीवन में सफलता और आत्म-विकास इस बात पर निर्भर करता है कि हम किन लोगों के साथ समय बिताते हैं। जिस प्रकार हंस को कौए की संगति ने संकट में डाल दिया, उसी प्रकार हमारी गलत संगति हमें विकास के स्थान पर पतन की ओर ले जा सकती है। इसलिए, हमें अपनी संगति का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए और सदैव अच्छे और सकारात्मक व्यक्तियों के साथ रहकर आत्म-विकास के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।

बैंक को मिली बम से उड़ाने की धमकी,कहा-दो बजे धमाके से उड़ जाएगा बैंक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के सियागंज क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक की शाखा को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बैंक को ईमेल के जरिए यह धमकी दी गई और कहा कि रिमोट से ब्लास्ट कर बैंक को उड़ाया जाएगा। इस धमकी की जानकारी बैंक प्रबंधन ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंचकर बम निरोधक दस्ते ने जांच की, हालांकि कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है, लेकिन मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

बैंक को जो ई मेल आया। उसमे लिखा था कि दो बजे बैंक में धमाका होगा। रिमोट से विस्फोट होगा और बैंक उड़ जाएगा। इस धमकी की जानकारी बैंक की तरफ से पुलिस कंट्रोल रुम को दी गई। इसके बाद सेंट्रल कोतवाली थाने के पुलिस जवान मौके पर पहुंचे। बम निरोधक दस्ते ने भी एक घंटे तक बैंक के अलग-अलग हिस्सों की जांच की।

इस दौरान बैंक का काम काज भी प्रभावित रहा। बैंक स्टाफ सहमा रहा और ग्राहकों को भी परेशानी हुई। बैंक के अलावा पार्किंग और आसपास की बिल्डिंगों में भी जांच की गई, लेकिन कोई विस्फोटक सामग्री जांच दल को हाथ नहीं लगी। धमकी भरा ई मेल फर्जी साबित हुआ, लेकिन पुलिस ने उसे गंभीरता से लेते हुए जांच की। इंदौर में तीन माह पहले दो स्कूलों की भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके अलावा इंदौर विमानतल को भी बम से उड़ाने की धमकी चार बार मिल चुकी है।

19 जून को सिकलसेल एनीमिया दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में आज इंदौर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कायक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, धार, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आर.सी.एच. सेवाओं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शहरी स्वास्थ्य कार्यकम, संजीवनी क्लीनिक की क्रियाशीलता, असंचारी रोग नियंत्रण, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहतर एवं निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों से उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली गई।

शिव का धर्म ईश्वर की प्राप्ति का धर्म है

श्री श्री आनन्दमूर्ति
ग्लोबल हेराल्ड

शिव कह गये हैं-तुम मन के भीतर, आत्मा के भीतर जितना भी चाहो, बढ़ते चलो- चरैवेति, चरैवेति। किन्तु बाहरी जगत में क्या हो रहा है, उसकी उपेक्षा मत करो। क्योंकि बाहरी जगत की उपेक्षा से तुम्हारा अन्तर जगत भी विघ्नीत होगा। इस प्रकार शैव मत या शैव धर्म बन गया भारत का प्राणधर्म। शिव का धर्म ईश्वर की प्राप्ति का धर्म है। इस कारण इसमें बहिरंगिकता नहीं है। यज्ञ में घृताहुति देकर, पशुरक्त की आहुति देकर तुच्छ आत्मतृप्ति पाने का पथ यह नहीं है।

उन्होंने बज्र कण्ठ से घोषणा की है - धर्म परमा संप्राप्ति का पथ है, पाशविक सुख भोग का पथ नहीं है। शिव व्यावहारिक जीवन में कोमल थे, अति कोमल ......, कुसुमादपि कोमल। शिव की नीति थी- मनुष्य है, वह तो भूलचूक करेगा ही। वह मनुष्य है, देवता तो नहीं है। वैदिक देवता इन्द्र, अग्नि, वरुण इत्यादि भी भूल करते थे। और साधारण मनुष्य, वह तो भूल कर ही सकता है। इस कारण वे साधारण मनुष्य ने भूल की है, कल वह सुधर भी तो सकता है। आज रास्ते पर चलते हुए कपड़ों पर धूल-कीचड़ लग गया तो कल वह साफ कपड़े पहनने का सुयोग क्यों नहीं पा सकेगा? इस कारण उनकी नीति थी, जिसने अन्याय किया है उस पर त्रिशूलाघात करो। जिस मुहूर्त में उसने अपनी भूल को सुधार लिया है, उसे प्यार से गोद में बैठा लो। अर्थात उन्होंने जो भी किया, वह मनुष्य के संशोधन के लिए ही किया। शिव को प्रणाम करते समय कहा जाता है - हे पिनाकपाणे, हे वज्रधर तुम्हें नमस्कार करता हूं,, क्योंकि तुम्हारा यह वज्र मनुष्य को कष्ट देने के लिए नहीं बल्कि मनुष्य के सुधारने के लिए है, वे मन-प्राण से उसके अतीत का सब कुछ भूल जाते हैं। इसीलिए अनुतप्त मनुष्य शिव के सम्मुख नतजानु होकर कहा करता है- तुम्हारी शरण में नहीं आऊँ तो किसकी शरण में जाऊँ, तुम्हें छोड़ मुझे और कौन शरण देंगे, तुम भोलेनाथ हो। मैंने इतने पाप किये हैं, उन्हें सुधार देने के साथ-ही-साथ तुमने मुझे क्षमा कर दिया। हे ईश्वर, तुम इतनी- सहजता से सन्तुष्ट हो जाते हो, तुम आशुतोष हो। जो-लोग आर्यो द्वारा घृण्य थे, सबसे अधिक घृण्य थे, उन असुरों ने शिव की शरण मांगी। शिव ने असुरों को शरण दी। तुमलोग देखे हो कि असुरगण स्तुति के लिए शिव के पास खड़े हैं, उन्हें वरदान मिल रहा है और शिव उनकी सहायता के लिए देवताओं के विरुध्द आगे बढ़ रहे हैं। देवता का अर्थ है आर्य। आर्यो ने उनका ध्वंस चाहा था। जैसे आर्यों ने भारत की अनेक उपजातियों का विध्वंस कर दिया है, उसी प्रकार उन्होंने असुरों का भी ध्वंस कर देना चाहा था। शिव ने उन्हें बचाया था। शिव ने कहा था कि यदि मैं इन्हें न बचाऊं तो कौन बचाएगा। ये किन लोगों के आश्रय में जाएँगे? आर्यगण ही श्रेष्ठ हैं और असुरगण अश्रेष्ठ हैं, मैं इस उक्ति को स्वीकार नहीं कर सकता। यह बात तो कोई भी किसी प्रकार की युक्ति से मुझे नहीं समझा पाता। इस प्रकार की आर्य-अनार्य संघर्शसंकुल अवस्था में शिव का अविर्भाव हुआ था। शिव ने हर समय चाहा है और ऐसा काम भी किया है जिससे आर्य-अनार्य-मंगोल जातियाँ अन्त में शान्तिपूर्ण ढंग से जीवनयापन कर सकें और शान्तिपूर्ण ढंग से जीवनयापन करने के लिए एक उत्कृष्ट आदर्श को ग्रहण करना ही पडेगा। क्योंकि यदि आदर्शों में संघात हुआ तो मनुष्यों मे संघात होगा ही और शांतिपूर्ण ढंग से सह-अस्तित्व की स्थापना नहीं हो सकेगी। आदर्श के रुप में शिव ने सब को सिखाया है - तुम सब परम पिता की सन्तान हो, तुम सबों को इस पृथ्वी पर भाई-भाई की तरह, भाई-बहन की तरह वास करने का अधिकार है। तुम लोग इस अधिकार में सुप्रतिष्ठित हो सको, आदर्श में पुनर्वासित हो सको, इस कारण तुम सबकी मदद के लिए मैं सदा सर्वदा प्रस्तुत हूँ।

प्रस्तुतिः आचार्य दिब्यचेतनानन्द

इंदौर से डेढ़ सौ किलोमीटर दूर बनेगा डायनासोर नेशनल पार्क, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर से डेढ़ सौ किलोमीटर दूरी पर स्थित बाग तहसील के चार गांवों में डायनासोर नेशनल पार्क बनाने की योजना पर सरकार काम कर रही है। इसके लिए हाल ही में संभागायुक्त दीपक सिंह ने एक बैठक भी ली थी। जिसमें इसकी योजना पर काम हुआ। इस पार्क में सियार, लोमड़ी जैसे वन्य जीव होंगे और शीशम, नीम, आंवला सहित अन्य प्रजातियों के पेड़ होंगे। दरअसल मांडव और बाग के आसपास के गांवों में पहले डायनासोर के अंडे व उनकी हड्डियों के जीवशम मिल चुके है। एक छोटा डायनासोर पार्क मांडू के समीप भी बनाया गया है।

बाग तहसील में पार्क बनाने की मंशा इसलिए भी है,क्योकि सालभर में 15 हजार से ज्यादा पर्यटक बाग की गुफाएं देखने आते है। इस पार्क के समीप बड़केश्वर मंदिर, हनुमान मंदिर भी है। इसके अलावा पर्यटक आदिवासी लोक कला व उनकी संस्कृति से भी रुबरु हो सकेंगे। अफसरों को उम्मीद है कि पार्क के विकसित होने के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और आदिवासी परिवारों को रोजगार भी मिलेगा। बाग का बाग प्रिंट पूरे देश में मशहूर है। इस पार्क के चारों तरफ बोरकुरी, रिसावाला, बयादीपुरा (पाडलिया) और गंगकुई (जामनियापुरा) ग्राम हैं। यह नेशनल पार्क भी अन्य नेशनल पार्कों की तरह इको सेंसेटिव झोन के अंतर्गत रहेगा। यह क्षेत्र वन्य जीव संरक्षण और पर्यावरण की दृष्टि से भी संरक्षित क्षेत्र है। प्रस्तावित नेशनल पार्क की दूरी मेघनगर रेल्वे स्टेशन से 95 किलो मीटर होगी, वहीं इंदौर रेल्वे स्टेशन से इसकी दूरी 152 किलो मीटर होगी। नेशनल पार्क में शीशम, नीम, आंवला सहित हजारों प्रजातियों के आयुर्वेदिक एवं औषधीय पेड़ होंगे, वहीं सियार, लोमड़ी जैसे वन्य जीव भी होंगे। पर्यटकों की दृष्टि से भी यह पार्क सबको लुभाएगा। इस क्षेत्र में घूमने का सबसे श्रेष्ठ समय अक्टूबर से लेकर दिसम्बर तक का होता है। उस समय तीन-चार गुना अधिक पर्यटक आतें हैं। वीकेंड पर भी संख्या बढ़ जाती है। संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि डायनोसोर नेशनल पार्क को बनाते समय इस बात का पूरा ध्यान रखा जायेगा कि जनजातीय समाज के अधिकारों का हनन नहीं हो। क्योंकि इस क्षेत्र में जनजातीय समाज बहुसंख्यक में है। इसलिये उनकी परम्परा, त्यौहार, उत्सव आदि का विशेष ध्यान रखा जाएगा। पार्क के समीप ऐसी गतिविधियां चलाई जायेगी जिससे प्रकृति को भी नुकसान नहीं पहुंचे और जनजातीय समाज को भी रोजगार मिल सके।

हाई कोर्ट ने किया बड़ा खुलासा, एमपीपीएससी कटऑफ देख उड़े होश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मप्र लोक सेवा आयोग (एमपी-पीएससी) की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 पर बड़ा खुलासा हुआ है। अब तक गोपनीय रखे गए कटऑफ आखिरकार हाई कोर्ट की सुनवाई के दौरान सामने आ गई।

आयोग ने आंकड़े बंद लिफाफे में सौंपे थे, जिसे कोर्ट ने सार्वजनिक कर दिया। जनरल श्रेणी का कटऑफ इस बार 158 अंक यानी 79% तक पहुंच गया है, जो अब तक के सबसे ऊंचे कटऑफ में से एक माना जा रहा है। बता दें कि हाई कोर्ट पहले ही पीएससी के इस रिजल्ट पर रोक लगा चुका है और अब 9 जून से प्रस्तावित मुख्य परीक्षा पर भी सस्पेंस बना हुआ है। परीक्षा होगी या नहीं, इस पर अगली सुनवाई में ही फैसला होगा।

पीएससी ने 16 फरवरी को हुई प्री का परिणाम 5 मार्च को जारी कर दिया था, पर इस बार परंपरा से हटते हुए कैटेगिरीवाइज कटऑफ सार्वजनिक नहीं किया। इससे अभ्यर्थियों में असंतोष फैला और कई याचिकाएं कोर्ट में पहुंचीं। याचिकाकताओं ने दो मुख्य आरोप लगाए।

पहला- कटऑफ अंक नहीं जारी करना पारदर्शिता के खिलाफ है। दूसरा- जनरल सीटों पर आरक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली उम्मीदवारों को बाहर कर दिया गया है। इस पर कोर्ट ने न सिर्फ प्री का रिजल्ट रोका, बल्कि मुख्य परीक्षा को भी रोक दिया।

डेढ़ घंटे में पकड़ी गई बच्चा चोरनी, घर के अंदर से ले भागी थी मासूम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के गौरी नगर में बच्चा चोर गिरोह की सदस्य ने घर के अंदर घुसकर एक आठ महीने की मासूम को चुरा लिया। इस मामले के सामने आते ही इलाके में सनसनी मच गई। गिरोह इतना बेखौफ कैसे हो गया कि अब घरों में घुसकर बच्चे उठा रहा है, लोगों का बड़ा सवाल यही था। लेकिन इंदौर पुलिस ने सतर्कता के साथ एक्शन लिया और मात्र डेढ़ घंटे के अंदर बच्चे को बरामद कर लिया।

दिन के उजाले में ही इलाके में घूम रही एक महिला घर के अंदर घुसी और बच्ची को चुरा लिया। इस घटना के बाद सनसनी

फैल गई। पुलिस ने तुरंत घटना की जानकारी मिलते ही एक्शन मोड ऑन किया। घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें एक महिला बच्ची को लेकर भागती नजर आई। उसके बाद पुलिस ने महिला की खोज शुरू की। डेढ़ घंटे के अंदर महिला मिल गई और उसकी निशानदेही पर बच्ची को भी बरामद कर लिया गया।

शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय की वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इंदौर की वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय के नियमित आय-व्यय के साथ रोगियों की सुविधा बढ़ाने हेतु नवीन उपकरण यंत्रों की खरीदी, संस्थान के नवीन शैक्षणिक भवन एवं पुस्तकालय के डिजीटलाइजेशन आदि बिन्दुओं पर प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र रघुवंशी, राऊ एसडीएम श्री गोपाल सिंह वर्मा, संस्थान के प्राचार्य डॉ. एपीएस चौहान, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ.

एस.पी. सिंह, संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया, नई दिल्ली के प्रतिनिधि डॉ. सुश्रुत कनोजिया, लोक निर्माण विभाग के श्री अभय दुबे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में इलाज/जांच के लिए आने वाले रोगियों के साथ संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उन्हें बेहतर सुविधा प्रदान की जाये। आयुष चिकित्सक मरीजों के साथ मधुर संबंध बनाये। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि नवीन उपकरण एवं यंत्रों की खरीदी में पारदर्शिता, ईमानदारी एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये। संस्थान के उत्तरोत्तर प्रगति हेतु विशेष कार्य योजना बनाई जाये। मरीजों के आराम करने के लिए विशेष बैठक व्यवस्था के साथ-साथ बुनियादी व्यवस्थाओं का ध्यान रखा जाये।

सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ चार्ज शीट दाखिल करना बेहद निंदनीय

इंदौर। ईडी की चार्जशीट के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर उतर आई है। देशभर से कांग्रेसी तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता शाहबाज आलम ने कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और उनके खिलाफ चार्ज शीट दाखिल करने की कड़ी शब्दों में निंदा करता हूं। शाहबाज आलम ने कहा कि मोदी सरकार का यह निरंकुश कदम और राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। नेशनल हेराल्ड और पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मनमाने और अन्यायपूर्ण संपत्ति जब्ती और आरोप पत्र दायर करना यह कानूनी प्रक्रिया का मामला नहीं यह कानून के शासन के रूप में एक राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आरोप पत्र दायर करना यह विपक्ष पर सीधा हमला है। यह केंद्र सरकार के कायरता पूर्ण कार्रवाई से पूरे देश के कांग्रेसी आक्रोशित है।

इंदौर के फाइन आर्ट कॉलेज के अवशेष बने कैनवास पूर्व छात्रों ने कलाकृतियां बनाकर दी श्रद्धांजलि

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलाकार भावनात्मक भी होते है और रचनात्मक भी। बुधवार को दोनों ही बातें उनके काम में नजर आई। चिलचिलाती धूप में वे कलाकृतियां उकेर रहे थे, लेकिन सामने न तो कैनवास था और न ही कोई कलात्मक दीवार। जिस पर उनकी ब्रश रंग भर रहे थे, वे उनके कॉलेज भवन के टूटे के पत्थर, ईटें थी, जो जमीन पर बिखरी पड़ी है। उन पर रंगों से कलाकार अपनी भावनाएं अभिव्यक्त करते रहे।

शहर के ख्यात शासकीय ललित कला संस्थान से एमएफ हुसैन,

एनएस बेंद्रे, डीजे जोशी, श्रेणिक जैन जैसे ख्यात चित्रकार निकले है। अब वहां नगर निगम कला संकुल बना रहा है। पुराने कॉलेज का भवन अब कॉलेज के पूर्व छात्रों के लिए सिर्फ यादें बनकर रह गया। पुराना भवन टूट चुका है और उसके मलबा वहीं पड़ा है। कॉलेज को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। अब सिर्फ आर्ट गैलरी बची है, लेकिन कॉलेज के पुराने भवन से छात्रों का भावनात्मक लगाव रहा है। इस कारण उन्हें कॉलेज बिल्डिंग टूटने का दुख भी है। बस इसी वजह से कॉलेज के पूर्व छात्रों ने अपने कॉलेज भवन को श्रद्धांजलि देने के लिए उसके मलबे पर कलाकृतियां बनाने का फैसला लिया। 19 अप्रैल तक कलाकार मलबे पर कलाकृतियां बनाएंगे। इस अनूठे आयोजन में 100 से ज्यादा कलाकार एकत्र होंगे। इस कॉलेज के संस्थापक डीडी देवलालीकर रहे है। कॉलेज का नामकरण भी उन्हें के नाम से है। कॉलेज की स्थापना 1927 में होलकर शासनकाल में हुई थी। 18 अप्रैल को उनका जन्मदिन है। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर कॉलेज के पूर्व छात्र परिसर में एकत्र हुए थे।

विश्व धरोहर दिवस पर आज सुबह हेरिटेज वॉक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर संचालनालय, पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय मध्यप्रदेश द्वारा 18 अप्रैल को दो कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए उप संचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय पश्चिमी क्षेत्र इंदौर ने बताया कि विश्व धरोहर दिवस पर पहला कार्यक्रम हेरिटेज वॉक का होगा।

हेरिटेज वॉक प्रातः 8 बजे से 9 बजे के मध्य राज्य संरक्षित स्मारक बोलिया सरकार की छत्री से प्रारंभ होकर स्मारक राजवाड़ा पर समाप्त होगी। इस कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों के साथ पद्मश्री भालू मोढ़े एवं श्री प्रवीण श्रीवास्तव कंजर्वेशनिस्ट द्वारा स्मारकों के इतिहास, कंजर्वेशन व फोटोग्राफी के संबंध में जानकारी देंगे तथा अपने अनुभव साझा करेंगे। इस आयोजन में इंटेक चेप्टर इंदौर व श्री वैष्णव विध्यापीठ का भी सक्रिय सहयोग रहेगा। दूसरा कार्यक्रम होलकरों का वैभव विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन है, जो केन्द्रीय संग्रहालय में आयोजित होगा। इस छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ प्रातः 10.30 बजे सांसद श्री शंकर लालवानी करेंगे।

हरीश भिमानी इंदौर में दे रहे वॉयस एक्टिंग का विशेष प्रशिक्षण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर। हमारे समय की सबसे अधिक सम्मानित आवाज और इस क्षेत्र के प्रबुद्ध पेशेवर श्री हरीश भिमानी ने स्टेट प्रेस क्लब,मप्र के कार्यक्रम लर्न विथ लेजेंड में वॉयस एक्टिंग का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रारम्भ किया। दो दिन के इस विशेष कार्यक्रम का नाम है - वॉयस एज ए करियर। यह कार्यक्रम स्थानीय अभिनव कला समाज में प्रतिदिन सुबह 11 बजे तक जारी रहेगा। दोनों दिनों के इस कार्यक्रम में प्रतिभागी रजिस्ट्रेशन के माध्यम से प्रशिक्षण में हिस्सा ले सकेंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को स्टेट प्रेस क्लब मध्यप्रदेश की तरफ से सर्टिफिकेट भी प्रदान किये जायेंगे।

स्टेट प्रेस क्लब,मप्र के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने बताया कि वॉयस एक्टिंग के इस विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम का पाठ्यक्रम स्टेट प्रेस क्लब,मप्र ने श्री भिमानी के साथ मिलकर तैयार किया है। इसकी संकल्पना में सृजनधर्मी पत्रकार शकील अख़्तर ने अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई है। श्री खारीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में हरीश भिमानी वायस एक्टिंग के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण देंगे। इन दो दिनों में स्वर प्रशिक्षण से जुडे उनके 4 विशेष सत्र होंगे। जर्नलिज्म के स्टूडेंट्स के साथ ही यह ट्रेनिंग प्रोग्राम उन सभी प्रतिभागियों के लिये लाभकारी होगा जो आवाज की दुनिया में अपनी सफलता हासिल करना चाहते हैं। हरीश जी इन सत्रों में शामिल होने वाले प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी करेंगे। आज श्री हरीश भिमानी ने दीप प्रज्जवलित कर आयोजन का शुभारम्भ किया। स्वागत किया प्रवीण खारीवाल, शकील अख्तर, पुष्कर सोनी ने।अतिथि परिचय दिया पंकज क्षीरसागर ने।

28 हजार से ज्यादा रिकॉर्डिंग

आपको बता दें हरीश भिमानी मीडिया जगत और आवाज की दुनिया में भारत की सबसे पहचानी जाने वाली आवाजों में से एक हैं। उन्हें दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक महाभारत के प्रसारण दिनों से ही देश और दुनिया में सुने गये उनके शब्द मैं समय हूँ के रूप में ऐसी प्रसिद्धि मिली कि जो आज भी व्यूअर्स के दिलो दिमाग में गूँज रही है। वे एक ऐसी आवाज भी हैं जिनके नाम सबसे ज्यादा 28,500 रिकॉर्डिंग दर्ज है। उनकी आवाज रेडियो,फिल्म,डाक्यूमेंट्री,रेलवे स्टेशन,हवाई जहाज से लेकर कई विज्ञापनों में देश और दुनिया में आज भी सुनी जा रही है। वे आज भी दुनिया के कई देशों की संस्थाओं और कार्यक्रमों के लिये लगातार वायस ओवर और स्क्रिप्टिंग के लिये सक्रिय है। कई भाषाओं में वे यह काम पूरी रचनात्मक ऊर्जा के साथ कर रहे हैं। हरीशजी एक ऐसे वायस प्रोफेशनल भी हैं जिन्होंने माइक्रोफोन पर रिकॉर्डिंग की दुनिया की सभी तरह की तकनीकों के लिये काम किया है। वे एक ऐसे प्रबुद्ध हस्ती भी हैं जिन्होंने दुनिया के कई मंचों पर स्टेज शोज अपने खास अंदाज में संचालित किये हैं। सिर्फ स्व.लता मंगेशकर के लिए ही उन्होंने 21 देशों और 52 शहरों में 143 कार्यक्रमों की एंकरिंग की है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए लोकतंत्र सेनानी शर्मा आदित्य का सम्मान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लोकतंत्र की रक्षा के लिए लोकतंत्र सेनानियों का त्याग-तपस्या और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इसलिए उनका सम्मान करना आज की पीढ़ी का परम कर्तव्य है। उक्त विचार निगम के पूर्व सभापति तथा पूर्व नगर अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने डायमंड कालोनी स्थित लोकतंत्र सेनानी गिरीश शर्मा आदित्य को सम्मानित करते हुए कहे।

भाजपा के 45वें स्थापना दिवस के तहत आयोजित सम्मान समारोह में भाजपा इंदौर के मंडल प्रभारी कैलाश शर्मा ने लोकतंत्र सैनानी संघ के जिलाध्यक्ष गिरीश शर्मा आदित्य को शॉल व श्रीफल से सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व पार्षद पति रूपेश

देवलिया, मंडल अध्यक्ष रवि तोमर एवं अन्य सहयोगी भी उनके साथ थे। शर्मा ने कहा कि भाजपा के स्थापना दिवस के तहत लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान इसलिए भी किया जा रहा है कि कांग्रेस शासित सरकार के कार्यकाल में लोकतंत्र सेनानियों ने अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक प्रताड़नाएं झेली हैं। इसके बावजूद लोकतंत्र सेनानी अपनी निष्ठा से डिगे नहीं। गिरीश शर्मा का युवा जीवन कांग्रेस के विरुद्ध संघर्षों में बीता और उन्होंने आपातकाल में भी अनेक यातनाएं सही है इसलिए उनका सम्मान करना आज की पीढ़ी का परम कर्तव्य है। लोकतंत्र सेनानी के साथ गिरीश शर्मा की पहचान मुद्राशास्त्री और विद्वान के रूप में होता है। देश व समाजहित में उल्लेखनीय कार्य करने पर गिरीश शर्मा को सम्मानित किया गया।

थाने पहुंचे युवक ने कहा-मेरे भाई की हत्या हो गई, पुलिस पहुंची तो घर में सोता मिला व्यक्ति

नागदा ■

मध्य प्रदेश के नागदा में की झूठी सूचना के कारण पुलिस बेवजह हैरान हो गई। सुबह थाने पहुंचे एक व्यक्ति ने अपने भाई की हत्या की सूचना दे दी। इस खबर ने पुलिस को भी हरकत में ला दिया। तत्काल पुलिस फोर्स मौके लिए रवाना हुआ। बेरछा पहुंचकर सर्चिंग की गई। सूचनाकर्ता ने अपने जिस भाई की हत्या होने की खबर दी, वह घर में ही सोता मिला। पुलिस ने परिजनों से बात की तो पता चला कि सूचनाकर्ता करीब चार दिनों से लगातार शराब पी रहा है, जिससे वह सूझबूझ खो बैठा। हत्या की झूठी खबर पर पुलिस करीब एक घंटा छकी।

ये है पूरा मामला

दरअसल, नगर से 15 किमी दूर बेरछा में मांगूसिंह पिता जुझारसिंह गुरुवार सुबह 8 बजे नागदा थाने पहुंचा। मांगूसिंह ने पुलिस से कहा- मेरे भाई पप्पूसिंह की हत्या हो गई है। किसी ने उसका सिर तलवार से काट दिया। हत्या की दर्दनाक खबर सुन पुलिस भी हरकत में आ गई। सूचना पर एसआई वीरेंद्रसिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस फोर्स मांगूसिंह को लेकर बेरछा के लिए रवाना हुआ। इधर, गांवा भारी पुलिस बल देख ग्रामीण भी जमा हो गए।

पुलिस मांगूसिंह को उस जगह पर लेकर पहुंची, जहां उसने अपने भाई की हत्या की खबर दी थी। मगर पप्पूसिंह मौके पर नहीं मिला। कर लिए पुलिस ने पप्पू के परिजनों से संपर्क किया तो पता चला कि वह जिंदा है और घर में ही सो रहा है। पुलिस ने पप्पूसिंह को मौके पर बुलाकर पुष्टि की, तब जाकर पुलिस ने राहत की स ली।

पुलिस को मांगूसिंह ने अपनी बात पर दिलाया यकीन

इतने विभत्स हत्या की खबर ने एक दफा पुलिस को भी सोचने पर मजबूर कर दिया। मगर मांगूसिंह यह कहकर पुलिस को विश्वास दिलाता रहा कि मैं झूठ बोल रहा हूं तो गांव के शनि मंदिर के कैमरे चेक कर लो। तब जाकर पुलिस बेरछा के लिए रवाना हुई। गांव पहुंचकर ग्रामीणों से पता चला मांगूसिंह जिस मंदिर पर कैमरे लगे होने की बात कह रहा था वहां कैमरे लगे ही नहीं हैं।

चार दिन से शराब पी रहा था मांगूसिंह

ग्रामीण रामेश्वर नंदेडा, भारत नंदेडा ने बताया कि मांगूसिंह, पप्पूसिंह, रामसिंह तीनों भाई है। मांगूसिंह पिछले तीन-चार दिनों से अत्यधिक शराब का सेवन कर रहा था। जिससे वह सूझबूझ खो बैठा, जिससे उसका मानसिंह संतुलन भी ठीक नहीं हैं। इसी के चलते उसने नागदा पहुंचकर पुलिस को अपने ही भाई की झूठी सूचना दे डाली।

लापरवाहीः आठ संविदाकारों की अमानत राशि राजसात, दो दर्जन निर्माण कार्यों के टेंडर निरस्त

सीधी ■

संविदाकारों की लापरवाही से नगर पालिका परिषद क्षेत्र में स्वीकृत करीब दो दर्जन कार्यों के टेंडर निरस्त कर दिए गए हैं। अब इन कार्यों के लिए नपा को दोबारा टेंडर करना पड़ेगा। संबंधित संविदाकारों ने विलो रेट में टेंडर डाला था, टेंडर स्वीकृत होने के बाद वह अनुबंध निष्पादन की कार्रवाई नहीं कर रहे थे। बीते दिनों हुई पीआईसी की बैठक में टेंडर निरस्त करने के साथ ही संबंधित संविदाकारों पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया था, जिसके बाद टेंडर निरस्त कर संविदाकारों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

संविदाकारों का टेंडर पास होने के बाद उन्हें अनुबंध निष्पादन के लिए आमंत्रित किया गया था। लेकिन, निर्धारित समयसीमा में उनके द्वारा अनुबंध निष्पादन की कार्रवाई नहीं की गई, इसके बाद नपा की ओर से पत्राचार के साथ ही नोटिस भी जारी की गई, लेकिन इसके बाद भी संविदाकारों ने रुचि नहीं दिखाई, जिससे टेंडर निरस्त करते हुए संविदाकारों की ऑनलाइन जमा अमानत राशि राजसात कर ली गई है। इन संविदाकारों में एमके क्रांस्ट्रक्शन कंपनी, मेसर्स पेंथर टाइल्स, सितानी एसोसिएट्स, रायल सिक्योरिटी सर्विसेस, रामदुलारे चतुर्वेदी, मेसर्स शुक्ल क्रास्ट्रक्शन शिवम शुक्ला, उत्तम क्रांस्ट्रक्शन शिवम शुक्ला मुख्य रूप से शामिल हैं।

इन कार्यों का निरस्त किया गया टेंडर

पीआईसी की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद करीब दो दर्जन निर्माण कार्यों के टेंडर निरस्त करने की कार्रवाई चल रही है। इसमें आठ कार्यों के टेंडर निरस्त किए जा चुके हैं, जिसमें वार्ड क्रमांक-14 में धर्मशाला हाल निर्माण, लागत राशि 12.70 लाख, वार्ड क्रमांक-11 जिला न्यायालय परिसर में सीसी नाली निर्माण, लागत राशि 5.5 लाख, वार्ड क्रमांक-4 में सुरेश धोबी के घर से जमुना केवट के घर से सिंचाई विभाग की बाउंड्री तक सीसी सड$क निर्माण, लागत 11 लाख, वार्ड क्रमांक-16 में अन्नू कोल के घर से करलू कुशवाहा के घर तक आरसीसी नाली निर्माण, लागत 3.44 लाख, वार्ड क्रमांक-10 में संग्राम कॉलोनी कोलान बस्ती में आरसीसी नाली निर्माण, लागत 13.6 लाख, वार्ड क्रमांक-20 में गोविंद गुप्ता के घर से विंद्रा साकेत के घर तक सीसी सडक निर्माण, लागत 23 लाख, गोपालदास मुख्य मार्ग में रोड डिवाइडरों के बीच में सीसी क्रांक्रीट कार्य, लागत 8.55 लाख तथा वार्ड क्रमांक-4 में भगवानदीन कुशवाहा के घर से अमित ड्कूसधी के घर तक सीसी सडक निर्माण, लागत 7.42 लाख शामिल है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से नाती की शादी के कार्ड बांटने निकले बुजुर्ग की मौत

छतरपुर ■

गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ बाइक पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सागर-कानपुर नेशनल हाईवे पर उर्दमऊ गरेला के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बालू से भरा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया।

उल्टी दिशा से मुड़ा ट्रैक्टर, पलटी ट्रॉली ने कुचला

मृतक की पहचान 75 वर्षीय बाबूलाल, पिता कड़ोरे पटेल निवासी दीवान जू का पुरवा के रूप में हुई है। वह अपने साथी जागेश्वर पटेल के साथ नाती की शादी का कार्ड बांटने के लिए उर्दमऊ जा रहे थे। उनके छोटे भाई कोमलचंद्र ने बताया कि 10 मई को बाबूलाल के नाती की शादी तय थी और वे बैंड-बाजा और निमंत्रण पत्र बांटने के काम में जुटे थे। घटना उस वक्त हुई जब दोनों मझगुवा के पास रुके थे, तभी ढिगपुरा निवासी हरि यादव का ट्रैक्टर तेज रफ्तार में उल्टी दिशा से आया और अचानक मुड़ने के दौरान ट्रॉली पलट गई। ट्रॉली सीधे बाइक सवार बाबूलाल और जागेश्वर पर चढ़ गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर दोनों को जिला अस्पताल भेजा, लेकिन रास्ते में ही बाबूलाल ने दम तोड़ दिया। जागेश्वर की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज चल रहा है।

थाना प्रभारी ने की पुष्टि, जांच जारी

गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। एक व्यक्ति की मौत हुई है, जबकि दूसरा घायल है। ट्रैक्टर चालक और वाहन की जानकारी जुटाई जा रही है, मामले की जांच जारी है।

शादी की खुशियां बदल गईं मातम में

यह हादसा ऐसे वक्त पर हुआ जब परिवार में नाती की शादी की तैयारियां चल रही थीं। अचानक हुए इस हादसे से पूरे गांव और परिजनों में शोक की लहर फैल गई है।

नरवाई जलाने पर एफआइआर के साथ 15 हजार रुपए तक जुमार्ना

छिंदवाड़ा। खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रशासन द्वारा एफआइआर दर्ज किए जाने और चेतावनियों के बावजूद किसान नरवाई जलाना जारी रखे हुए हैं। जिले में 5 मार्च से 13 अप्रेल तक नरवाई जलाने के 326 मामले सामने आए हैं। इसे देखते हुए कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए नया प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। अब नरवाई जलाने की हर घटना पर एफआइआर के साथ-साथ संबंधित किसान पर अधिकतम 15 हजार रुपए तक का पर्यावरण क्षतिपूर्ति जुमार्ना भी लगाया जाएगा। कलेक्टर के आदेश के अनुसार, फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया गया है।

एमपी के इस शहर में लागू होगा 6-आर फामूर्ला, इसी से होगा कचरा मैनेजमेंट

भोपाल ■

एमपी के भोपाल शहर को स्वच्छ बनाने के लिए केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण का पैमाना फिर बदला जा रहा है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में अभी रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल तकनीक के तहत कचरा प्रबंधन किया जा रहा है।

भविष्य में इस मॉडल में रिकवर, रीडिजाइन, रीमैन्युफैक्चरिंग फॉमूर्ला जोड़ा जाएगा। सभी नगर निगम को ट्रिपल आर फामूर्ले के साथ अब 6 आर फामूर्ला शहरों में लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। बात करें भोपाल नगर निगम की तो शहर के 85 वार्ड के अंतर्गत मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में बनने वाले माल से निकलने वाले कचरे का इस्तेमाल, कॉलोनियों में घरेलू कचरे का दोबारा इस्तेमाल सिखाने वाले केंद्र और हर वार्ड में गीला सूखा कचरा, बायो वेस्ट, इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट, कचरे का वर्गीकरण यानी सेग्रीगेशन सेंटर बनाने की तैयारी है। निगम का दावा है कि सिक्स आर फामूर्ले से शहर से हर सुबह निकलने वाला 850 मीट्रिक टन कचरा 50 प्रतिशत तक मौके पर ही मैनेज कर लिया जाएगा। कचरा प्रबंधन के मापदंड भविष्य में 6 आर फामूर्ले के हिसाब से तय किए जा रहे हैं। इस बजट में नए कामों के लिए वित्तीय प्रबंध कर लिए गए हैं।

- हरेंद्र नारायण, निगमायुक्त

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला आगर मालवा (म.प्र.)

E-mail addr.- deo.agar@mpexcise.org (☎ 07362-259521)

आगर मालवा, दिनांक :– 16 .04.2025

//जाहिर सूचना//

न्यायालय कलेक्टर, जिला आगर मालवा में आबकारी अधिनियम के तहत् प्रचलित प्रकरण क्रमांक 03/2024 वि.फौ. (शासन विरूद्ध ठाकरा राम आदि) में जप्तशुदा वाहन ट्रक क्रमांक **HR-55-AK-3417** को अधिहरित किये जाने संबंधी कार्यवाही आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 47(क) की उपधारा (2) के तहत् प्रचलित है।

उक्त प्रकरण में अनावेदक वाहन स्वामी ठाकरा राम पिता दमाराम जाति जाट, निवासी ग्राम भुनिया तहसील सेरवा जिला बाडमेर (राजस्थान) एवं एक अन्य अनावेदक दिनेश कुमार पिता महेन्द्र सिंह, निवासी प्लाट नं. 53 वार्ड नं. 01 विलेज जुरूला गुडगांव (हरियाणा) को कारण बताओ सूचना पत्र तामीली ना होने से प्रकरण लंबित है।

अतः इस जाहिर सूचना के जरिये यह सूचना जारी की जाती है कि प्रकरण में आगामी पेशी दिनांक 29.04.2025 निर्धारित है। आप उक्त दिनांक को अपरान्ह 02.00 बजे न्यायालय कलेक्टर, जिला आगर मालवा में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। उपरांत अनुपस्थिति की दशा में यह माना जावेगा कि आपको इस संबंध में कुछ नहीं कहना है, ओर प्रकरण में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

न्यायालय कलेक्टर द्वारा आदेशित।

16/04/2025

राजीव प्रसाद द्विवेदी
जिला आबकारी अधिकारी,
District Excise Office
जिला आगर–मालवा (म.प्र.)
District Agar Malwa (M.P.)

G-11665/25

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरुस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

शादी के कार्ड छपवाकर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

छतरपुर। एक दर्दनाक सड़क हादसे में दूल्हे की मौत हो गई। यह घटना नौगांव थाना क्षेत्र के मऊ सहानिया स्थित शीलाप पुलिया के पास हुई, जहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक रविंद्र को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल रविंद्र को स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन कुछ देर बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक के चाचा अजय ने बताया कि परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं और 7 मई को रविंद्र की शादी तय थी। मृतक, 23 वर्षीय रविंद्र उर्फ मिंटू, माधौपुर का निवासी था और मंगलवार शाम को शादी का कार्ड लेने मऊ गया था। वापसी के दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिसके बाद यह दुर्घटना घटी। इस हादसे के बाद परिवार में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। नौगांव थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। बुधवार सुबह पुलिस ने पंचनामा किया और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

पति ने एक्सीडेंट के बाद पकड़ा बेड तो पत्नी ने कर ली दूसरी शादी

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक अनूठा मामला सामने आया है यहां एक पति ने पुलिस में पत्नी के खिलाफ शिकायत की है। उसका आरोप है कि पत्नी उसे तलाक दिए बिना दूसरी शादी कर ली है और उसे घर से निकाल दिया है। पीड़ित पति ने पुलिस से पत्नी को वापस दिलाने और कार्रवाई की मांग की है। मामला सामने आने के बाद खुद पुलिस भी हैरान है और जांच कर रही है। ये मामला शहर के नानाखड़ा थाना इलाके का है।

पीड़ित सुनील ने बताया कि उसकी शादी दिसंबर 2021 में बड़नगर निवासी पिंकी से हुई थी। शादी के बाद से वह ससुराल में घर जमाई की तरह रह रहा था। करीब पांच महीने पहले दिसंबर में वह एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। गंभीर चोट लगने पर ससुराल वालों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में ससुराल में ही उसका उपचार चलता रहा। कुछ दिन पहले उसकी तबीयत ठीक हुई तो ससुराल वालों ने दूरी बना ली। पीड़ित सुनील के मुताबिक चार दिन पहले जब वो अपनी ससुराल पहुंचा तो उसे बताया गया कि उसकी पत्नी पिंकी ने 3 अप्रैल को विशाल नाम के युवक से शादी कर ली है। जब सुनील ने इसका विरोध किया तो उसकी पत्नी, साली, जीजा और सास ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और उसे घर से भगा दिया। सुनील ने बताया कि उसका सामान और कपड़े भी घर के बाहर फेंक दिए गए।

बीजेपी की मजबूरी है तमिलनाडु में गठबंधन की सियासत

भारतीय जनता पार्टी और दिवंगत जयललिता की पार्टी एआईएडीएमके के बीच तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव को लेकर हुआ गठबंधन ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पार्टी की नींद उड़ा दी है। यह गठबंधन बीजेपी के रणनीतिकार अमित शाह की देन बताई जा रही है।हालांकि अभी तक दोनों दलों के दिल मिलते नहीं दिखाई दे रहे हैं। वजह हैं एआईएडीएमके नेता ई. पलानीस्वामी के बयानों में बार-बार आ रहा असमंजस। तमिलनाडु की राजनीति में यह कोई पहला मौका नहीं है जब चुनावी गणित के चलते विरोधी दलों ने हाथ मिलाया हो, लेकिन सत्ता साझा करने को लेकर जो स्पष्टता होनी चाहिए, उसकी यहां भारी कमी नजर आ रही है। अमित शाह ने खुद चेन्नई जाकर गठबंधन की सार्वजनिक घोषणा की, यहां तक कि दावा भी कर दिया कि अगली सरकार तमिलनाडु में एआईएडीएमके-बीजेपी की होगी। लेकिन जब पलानीस्वामी से इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने साफ कह दिया कि उनका बीजेपी के साथ सिर्फ चुनावी गठबंधन है, सरकार साझा नहीं की जाएगी। इससे बड़ा संकेत और क्या हो सकता है कि गठबंधन का भविष्य बेहद अनिश्चित है।

संजय सक्सेना
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

यह सब तब हो रहा है जब बीजेपी ने अन्नामलाई जैसे उभरते नेता को हटाकर नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। तब माना गया कि पलानीस्वामी की शर्त पूरी कर दी गई है और अब गठबंधन में कोई बाधा नहीं रहेगी। लेकिन अब जिस तरह से एआईएडीएमके लगातार यह कह रही है कि बीजेपी के साथ मिलकर सिर्फ चुनाव लड़ेंगे, सरकार नहीं बनाएंगे, उससे साफ है कि उनके इरादे पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि कहीं यह गठबंधन केवल अन्नामलाई को हटवाने की रणनीति तो नहीं थी? जिस प्रकार से पलानीस्वामी ने पहले अन्नामलाई के खिलाफ मुखर विरोध जताया और अब अन्नामलाई की विदाई के बाद भी नए मुद्दे खड़े किए जा रहे हैं, उससे संदेह और भी गहराता जा रहा है। गौरतलब है कि तमिलनाडु की राजनीति में हिंदी विरोध, सांस्कृतिक पहचान, और क्षेत्रीय स्वाभिमान जैसे मुद्दे हमेशा हावी रहे हैं। ऐसे में बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ाव अक्सर द्रविड़ दलों के लिए एक राजनीतिक जोखिम बन जाता है। पलानीस्वामी भी शायद इसी वजह से खुलकर बीजेपी के साथ सत्ता साझा करने से बच रहे हैं। वह एक तरफ डीएमके को सत्ता से हटाने के लिए बीजेपी के समर्थन का लाभ उठाना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर बीजेपी से दूरी बनाकर अपने क्षेत्रीय वोट बैंक को भी साधना चाहते हैं। यही वजह है कि वह बार-बार स्पष्ट कर रहे हैं कि केंद्र में नरेंद्र मोदी नेता होंगे और तमिलनाडु में सिर्फ वह यानी पलानीस्वामी। इससे संकेत मिलता है कि एआईएडीएमके नहीं चाहती कि तमिलनाडु में बीजेपी को ज्यादा ताकत मिले। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस तरह का गठबंधन तमिलनाडु की राजनीति में नया नहीं है। डीएमके और एआईएडीएमके ने अक्सर चुनावों में गठबंधन किए हैं, लेकिन राज्य की सत्ता में आने के बाद अपने सहयोगियों को सत्ता में भागीदारी देने से कतराते रहे हैं। डीएमके, कांग्रेस और वाम दलों के साथ मिलकर चुनाव जीतती है, लेकिन सरकार सिर्फ डीएमके की बनती है। कुछ ऐसा ही पैटर्न अब एआईएडीएमके भी अपनाना चाहती है। यानी चुनावी फायदा लेने के लिए बीजेपी के साथ हाथ मिलाया जाए, लेकिन सत्ता में उन्हें हिस्सा न दिया जाए। इससे लगता है कि जयललिता की पार्टी, बीजेपी को कहीं सिर्फ एक वोट बैंक के तौर पर तो इस्तेमाल नहीं कर रही है।क्योंकि 2024 के

लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 11 फीसदी से अधिक वोट हासिल हुए थे,जो किसी भी चुनाव में किसी भी दल की जीत हार का अंतर कम और बढ़ा सकते हैं। अगर हम आंकड़ों पर नजर डालें तो 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और एआईएडीएमके के गठबंधन को लगभग 40 फीसदी वोट मिले थे, जबकि डीएमके और उसके सहयोगियों को 45 प्रतिशत। यानी मुकाबला कड़ा था। लेकिन जब 2023 में अन्नामलाई को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, तब से एआईएडीएमके के साथ बीजेपी के रिश्तों में खटास आ गई। आखिरकार 2023 में यह गठबंधन टूट गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा, और नुकसान दोनों को हुआ। एआईएडीएमके को 20.46 फीसदी वोट मिले और बीजेपी को अकेले 11.24 प्रतिशत, यानी एनडीए को कुल 18.28 प्रतिशत। अगर ये दोनों साथ होते तो आंकड़ा लगभग 41 फीसदी के पास पहुंचता, जो डीएमके गठबंधन के 47 प्रतिशत के मुकाबले कुछ हद तक टक्कर दे सकता था। बीजेपी को इस आंकड़े से यह सीख जरूर मिली कि तमिलनाडु में वह अकेले दम पर अभी सत्ता में नहीं आ सकती। इसलिए उन्होंने फिर से एआईएडीएमके से हाथ मिलाने का फैसला किया। लेकिन अन्नामलाई जैसे नेता की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और आक्रामक शैली को देखकर पलानीस्वामी ने शायद खतरे की घंटी महसूस की और अन्नामलाई को हटाने की शर्त रख दी। बीजेपी ने यह शर्त मानकर नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया, लेकिन अब भी एआईएडीएमके का रुख सख्त है। इस पूरे घटनाक्रम से यही प्रतीत होता है कि पलानीस्वामी गठबंधन के नाम पर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन सत्ता में बीजेपी को साझीदार बनाने से कतरा रहे हैं। यहां एक और दिलचस्प बात यह है कि तमिलनाडु बीजेपी के नए अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने इस पूरे विवाद पर बहुत सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार बनाने का फैसला दोनों पार्टियों के नेतृत्व द्वारा सही समय पर किया जाएगा। यानी फिलहाल बीजेपी भी खुलकर कुछ कहने से बच रही है। अमित शाह ने भी सीटों के बंटवारे को लेकर यही बात दोहराई थी कि उचित समय पर सब स्पष्ट किया जाएगा। इससे यह साफ होता है कि बीजेपी पलानीस्वामी के बयानों से नाराज तो है लेकिन अभी किसी टकराव की स्थिति नहीं बनाना चाहती। लेकिन क्या बीजेपी का यह नरम रवैया उसे लंबे समय तक नुकसान नहीं पहुंचाएगा? क्योंकि, अगर चुनाव जीतने के बाद भी उसे सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिलेगी, तो उसके कार्यकताओं में निराशा बढ़ेगी। इससे पार्टी की छवि कमजोर होगी और तमिलनाडु जैसे राज्य में जहां बीजेपी अब तक सत्ता से दूर रही है, वहां वह अपनी पहचान मजबूत नहीं कर पाएगी। वहीं पलानीस्वामी का यह दोहरा खेल यह दिखाता है कि वह एक तरफ बीजेपी का सहारा लेकर डीएमके को हराना चाहते हैं, लेकिन दूसरी ओर बीजेपी को सत्ता से बाहर रखकर अपनी पार्टी की स्थिति को मजबूत भी करना चाहते हैं। यह रणनीति चतुर जरूर है, लेकिन स्थायित्व के लिहाज से बेहद खतरनाक भी है। बीजेपी के लिए यह गठबंधन एक बड़ा अवसर भी है और एक बड़ी चुनौती भी। अवसर इसलिए कि एआईएडीएमके जैसे मजबूत क्षेत्रीय दल के साथ आकर वह तमिलनाडु में अपनी मौजूदगी को मजबूत बना सकती है। और चुनौती इसलिए क्योंकि अगर एआईएडीएमके ने चुनाव जीतने के बाद बीजेपी को सत्ता में हिस्सा नहीं दिया तो यह गठबंधन सिर्फ चुनावी सौदा बनकर रह जाएगा, जिसका कोई दीर्घकालिक फायदा नहीं होगा। बीजेपी को यह तय करना होगा कि वह सिर्फ वोट बैंक के लिए सहयोगी बने रहना चाहती है या सत्ता में हिस्सेदारी के लिए सख्ती भी दिखाएगी। वहीं पलानीस्वामी भी शायद इस बात को भली-भांति समझते हैं कि डीएमके को हराने के लिए बीजेपी का साथ जरूरी है। लेकिन वो ये भी जानते हैं कि अगर बीजेपी को सत्ता में साझीदार बना लिया गया तो उनके खुद के नेतृत्व पर सवाल उठ सकते हैं। यही कारण है कि वो एक ऐसी लाइन पर चल रहे हैं जहां दोनों पक्षों को साधने की कोशिश हो रही है डीएमके के विरोधियों को खुश रखने के लिए बीजेपी से गठबंधन और तमिल गौरव तथा क्षेत्रीय स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए बीजेपी को सत्ता से दूर रखने की बात। यह राजनीति का वह खेल है जिसमें हर मोहरा अपने समय पर चलता है। तमिलनाडु में होने वाले 2026 के चुनाव इससे अलग नहीं होंगे। पलानीस्वामी का यह रुख अगर चुनाव के बाद भी बरकरार रहता है तो बीजेपी के लिए यह बड़ा झटका होगा। वहीं अगर बीजेपी अपने वोट बैंक को बढ़ाने में सफल होती है, तो आने वाले समय में वह एआईएडीएमके की तरह किसी दल पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं समझेगी। तब शायद तमिलनाडु की राजनीति का गणित एक बार फिर नया मोड़ ले ले। अभी के लिए इतना तय है कि यह गठबंधन स्थायी नहीं, बल्कि एक अस्थायी राजनीतिक समझौता है, जिसमें दोनों पार्टियां अपने-अपने फायदे की तलाश कर रही हैं। लेकिन कब यह फायदे नुकसान में बदल जाएं, और कब यह गठबंधन एक बार फिर टूट जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं है। चुनावी जमीन पर असल तस्वीर तभी साफ होगी जब वोटों की गिनती होगी और फैसला सामने आएगा कि तमिलनाडु की जनता इस गठबंधन को किस रूप में देखती है एकजुट ताकत के रूप में या फिर एक जबरन थोपी गई साझेदारी के तौर पर यह आने वाला समय बतायेगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

पत्रकार पर जानलेवा हमला, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, 3 आरोपी गिरफ्तार

शाजापुर ■

मध्य प्रदेश के शाजापुर शहर में मीडियाकर्मी पर जानलेवा हमला कर दहशत फैलाने की कोशिश की गई। सोमवारिया बाजार निवासी मीडियाकर्मी मुकेश राठौर (38) पर आदतन अपराधियों ने जानलेवा हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। गंभीर हालत में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी अफजल खान, अल्फेज खान और महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपी इकबाल खान फरार हो गया।

ये है पूरी घटना

यह वारदात उस वक्त हुई जब मुकेश शादी समारोह से लौटते वक्त ज्योतिनगर क्षेत्र से गुजर रहा था। आरोपी इकबाल खान ने उसे रोककर पूछताछ के बहाने हमला कर दिया। उनसे थप्पड़-घूंसे बरसाए। कुछ ही देर में उसके बेटे अफजल और अल्फेज डंडे लेकर पहुंचे और जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट में मुकेश का पैर तोड़ दिया गया। मुख्य आरोपी की पत्नी ने भी थप्पड़-मुक्कों से हमला किया। मुकेश ने लोगों से मदद की गुहार लगाई तो एक व्यक्ति ने मदद की। जाते-जाते आरोपियों ने पत्रकार की बाइक भी तोड़ दी और जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि इस बार तो बचा लिया, लेकिन अब कभी फोटो कैंचो जान से मार देंगे। इसके बाद मुकेश को सलमान ने निजी अस्पताल पहुंचाया। लालघाटी थाना पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

हमला करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

शाजापुर एसपी यशपालसिंह राजपूत ने बताया कि मीडियाकर्मी पर हमला करने वाले महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। आरोपियों के पुराने केस की फाइले निकाली जा रहा है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विधायक और नपाध्यक्ष ने की घायल पत्रकार से मुलाकात

घायल पत्रकार से मिलने विधायक अरुण भीमावद, नपाध्यक्ष प्रेम जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष पं. आशीष नागर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और मीडियाकर्मी अस्पताल पहुंचे। विधायक ने कहा, कोई आरोपी नहीं बचेगा, सभी पर कठोर कार्रवाई होगी। मीडियाकर्मियों ने मांग रखी कि मुख्य आरोपी के अवैध निर्माण पर भी कानूनी कार्रवाई हो।

मीडियाकर्मियों में आक्रोश

घटना के विरोध में नगर के मीडियाकर्मी अस्पताल पहुंचे औ फिर एसपी यशपालसिंह राजपूत से मिलकर सख्त कार्रवाई की मांग की। एसपी ने आश्वासन दिया कि मुख्य आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। तीनों गिरफ्तार आरोपी के पुराने केसों की जांच की जा रही है।

मिट्टी नहीं, परंपरा; खंडहर नहीं... आत्मा -विरासत बचाने की पुकार

सागर ■

एक नाम नहीं, अहसास है। बुंदेलखंड की धरती पर बसा यह कस्बा अपने आप में एक खुली किताब है। वर्ल्ड हेरिटेज डे पर जब दुनिया अपनी सांस्कृतिक विरासत को सलाम कर रही है, ओरछा अपने राजसी अतीत और अनोखी परंपराओं के साथ मानो कह रहा है - मैं मिट्टी नहीं, परंपरा हूं... मैं खंडहर नहीं, आत्मा हूं... लेकिन यह आत्मा खतरे में है। 13वीं सदी में बुंदेला राजवंश ने गढ़कुंडार के किले पर झंडे लहराए। फिर राजा रुद्रप्रताप सिंह ने बेतवा नदी के किनारे 1501 में ओरछा की नींव रखी -एक ऐसी राजधानी, जो रणनीति में मजबूत और सौंदर्य में अद्वितीय थी।

जब महल बोलते थे, और मंदिर चुपचाप राज करते थे

ओरछा की गलियों में हर कोना कुछ कहता है। जहांगीर महल, राजा महल और रामराजा मंदिर यहां की अनूठी वास्तुकला और संस्कृति के प्रतीक हैं। यहां राम सिर्फ भगवान नहीं, शासक हैं। उनके लिए गार्ड ऑफ ऑनर लगता है, और लोग राजा राम सरकार कहते हैं।

खतरे में है ये खजाना!

यूनेस्को ने ओरछा को टेंटेटिव वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया है। यहां सिर्फ किले नहीं, कहानियां हैं, सिर्फ मंदिर नहीं, लोकविश्वास हैं। लेकिन बढ़ता पर्यटन, अतिक्रमण और आधुनिक निर्माण ओरछा की आत्मा को धीरे-धीरे नष्ट कर रहे हैं। ओरछा को बचाना, सिर्फ प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, हम सबकी साझी विरासत है। इस विश्व धरोहर दिवस पर आइए, हम सब मिलकर ओरछा की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का संकल्प लें।

विद्यार्थियों के जीवन में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के चतुर्थ विशेष व्याख्यान के अंतर्गत डॉ.महेश बाविस्कर द्वारा व्याख्यान में बताया कि भारतीय ज्ञान प्रणालियाँ बहुमूल्य अंर्तदृष्टि प्रदान करती हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में समकालीन चुनौतियों का समाधान कर सकती हैं।

पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करके, युवा लोग जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य देखभाल और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दो के लिए नवीन समाधानों में योगदान दे सकते हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली और प्राचीन ज्ञान में शोध की अनंत सम्भावनाये है। रसायन शास्त्र में गोविंदाचार्य द्वारा सदियों पहले दिए रसार्णव में दिए गए श्लोक के अनुसार धातुओं की क्षरणरोधी क्षमता का जो क्रम दिया गया है वही आज हम इलेक्ट्रोकेमिकल सीरीज के नाम से पढ़ रहे है। सदियों पुराने किले और महल का वास्तुशास्त्र आज के इंजीनीयर्स के लिए भी आश्चर्य चकित करने वाला है। आयुर्वेद और योग को पूरी दुनिया ने अपना लिया है किन्तु वर्तमान युवा ही अपनी इस गौरवशाली सम्पदा का दोहन ठीक से नहीं कर पा रहा है। नई शिक्षा नीति यही प्रयास करती है कि युवा इस ज्ञान को नवीन ज्ञान से जोड़कर स्वयं और समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करें। इस व्याख्यान में रसायन शास्त्र के विद्यार्थी उपस्थित थे। यह व्याख्यान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.वीणा सत्य के निर्देशन एवं संरक्षण में संपन्न हुआ।

पानी भरने गया था 8 साल का कृष्णा, कुएं में गिरने से मौत

छतरपुर। गौरिहार थाना क्षेत्र के मझपटिया गांव में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 8 वर्षीय मासूम की जान चली गई। घर के पास बने एक सूखे कुएं में गिरने से कृष्णा पिता नंदकिशोर पटेल की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9.30 बजे कृष्णा घर के पास स्थित कुएं में पानी भरने गया था। कुआं तो सूखा था, लेकिन उसके पास बनी पानी की होदी में पानी भरा हुआ था। पानी भरते समय कृष्णा का संतुलन बिगड़ा और वह सीधे सूखे कुएं में जा गिरा। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गया। परिजनों ने आनन-फानन में रस्सी की मदद से उसे कुएं से बाहर निकाला और तत्काल चंदला अस्पताल ले गए।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया हुई ऑनलाइन

भोपाल ■

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आसान बना दिया गया है। कल्याणी महिला (विधवा महिला) सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विवाह पोर्टल https://vivahportal.mp.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। मंत्री श्री कुशवाह ने सभी जिलाधिकारियों को प्राप्त आवेदन पत्रों का 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण के निर्देश दिए है।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणी बहनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है। योजना में कल्याणी बहनों को विवाह उपरांत 2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा योजनांतर्गत आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। इच्छुक हितग्राही https://vivahportal.mp.gov.in पर पब्लिक डोमेन से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के लिये समग्र पोर्टल पर जानकारी अपडेट होना आवश्यक है। आवेदिका एवं उसके पति का आधार ई-केवायसी समग्र पोर्टल पर होना अनिवार्य है, समग्र पोर्टल पर वैवाहिक स्थिति विवाहित होना अनिवार्य है, 8 अंको की समग्र परिवार आईडी एक ही होना अनिवार्य है। सभी जिला अधिकारी ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण कर 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण करेंगे। अनावश्यक रूप से आवेदन लंबित रखने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की जा सकती है। प्रमुख सचिव श्रीमती वायंगणकर ने स्पष्ट किया कि जिला कार्यालय में सीधे आवेदन (ऑफलाइन) लेने ने मना नहीं किया जायेगा।

पोषण पखवाड़ा के तहत पोषण भरपूर प्रतियोगिता एवं गतिविधियों का हुआ आयोजन

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाये जा रहे पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत गुरूवार को बड़वानी परियोजना अधिकारी श्रीमती कविता चौहान के मार्गदर्शन बड़वानी ग्रामीण आंगनवाड़ी केंद्र कुड़िया-1 पोषण भरपूर प्रतियोगिता और जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

पोषक तत्वों के माध्यम से बच्चों तथा माता में आवश्यक पोषक तत्वों तथा सही पोषण के प्रति समझ विकसित की गई। बच्चों के पोषण स्तर के अनुसार पोषण संबंधी आवश्यक परामर्श पर्यवेक्षक श्रीमती शशिकला मालवीय एवं आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा अभिभावकों को दिया गया।

महिला अध्यक्ष को सीईओ ने फोन पर दी धमकी गोली कहीं भी चल सकती है.. ऑडियो वायरल

सतना ■

मध्यप्रदेश के सतना जिले के अमरपाटन में जनपद अध्यक्ष व जनपद सीईओ के बीच चल रहा विवाद अब धमकियों तक पहुंच गया है। जनपद सीईओ ओपी अस्थाना ने महिला अध्यक्ष माया पांडेय को रात में फोन कर गोली मारने की धमकी दी है जिसका ऑडियो वायरल हो गया है। इस धमकी के बाद अध्यक्ष माया पांडेय ने एसपी मैहर, कलेक्टर मैहर और जिला पंचायत सीईओ सतना से जनपद सीईओ ओपी अस्थाना की शिकायत भी की है।

गोली मारने की धमकी देने का ऑडियो वायरल

जो ऑडियो वायरल हुआ है उसमें जनपद सीईओ ओपी अस्थाना जनपद अध्यक्ष माया पांडेय को फोन कर उनके पति द्वारा इधर उधर शिकायत करने की बात कहते हुए कहा कि अगर दुश्मनी ही करनी है तो ठीक से की जाए। अभी अपन तो क्या है... अध्यक्ष और सीईओ की तौर पर बात कर रहे थे। अगर दुश्मनी करना है तो मुझे दिक्कत नहीं है। अब दुश्मनी में तो कुछ भी हो सकता है। कहीं गोली भी चल सकती है। कहीं भी कुछ भी हो सकता है। ठीक है न तो... वहां बता दीजिए....मेरी जिंदगी अगर बर्बाद करेंगे तो सामने वाले को मैं एकदम बर्बाद कर दूंगा। मुझे अपनी जिंदगी की परवाह नहीं है..ठीक है ।

जनपद अध्यक्ष ने की शिकायत

सीईओ ओपी अस्थाना के द्वारा धमकी देने के बाद अध्यक्ष माया पांडेय ने एसपी मैहर, कलेक्टर मैहर और जिला पंचायत सीईओ सतना से शिकायत की है। जिला पंचायत सीईओ संजना जैन का कहना है कि ये गंभीर मामला है। इस पर कलेक्टर मैहर को एसडीएम, तहसीलदार और जनपद सीईओ रामनगर की तीन सदस्यीय जांच टीम गठित करने सहित अमरपाटन सीईओ अस्थाना को जिला पंचायत कार्यालय में अटैच करने और रामनगर सीईओ को जनपद अमरपाटन का प्रभार देने का प्रस्ताव भेजा है।मैहर एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल ने बताया पूरे मामले की जांच अमरपाटन एसडीओपी को सौंपी गई है।

यूपी में इसलिये नहीं बन पाया वक्फ कानून के खिलाफ माहौल

देश का सबसे बड़े सूबे और यहां के सबसे समृद्ध वक्फ बोर्ड और उससे जुड़े उत्तर प्रदेश के करोड़ों मुसलमानों ने वक्फ अधिनियम 1995 में मोदी सरकार द्वारा किये गये बदलाव के खिलाफ कोई मुखरता नहीं दिखाकर पूरे मुल्क को हैरान कर दिया है। छिटपुट विरोध की जो खबरें आईं भी तो उससे कोई बड़ा राजनैतिक संदेश नहीं निकला। यूपी के मुसलमानों के इस रवैये ने मोदी-योगी के विरोधियों को हैरान कर दिया है,जबकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ-साथ कई मुस्लिम नेता यूपी को वक्फ आंदोलन की बड़ी रणभूमि बनाना चाहते हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तमाम मौलाना, हैदराबाद में बैठे ओवैसी ही नहीं यूपी के मुस्लिम सांसद अफजाल अंसारी इकरा हसन,जियाउर रहमान बर्क,मुहिबुल्लाह, इमरान प्रतापगढ़ी मुस्लिमों को भड़काने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

अजय कुमार
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

यूपी के मुसलमानों की शांति इस हिसाब से भी खास है क्योंकि वक्फ कानून में बदलाव की वजह से यूपी से इत्तर पूरे देश के मुस्लिमों का गुस्सा सड़क पर फूट रहा है,जो कई जगह हिंसक रूख भी अख्तियार कर रहा है। बिहार, कर्नाटक, तमिलनाडु सहित कई राज्यों में वक्फ कानून में बदलाव के खिलाफ आंदोलन चल रहा। यहां तक की अपेक्षाकृत शांत समझा जाने वाला गुजरात भी विरोध की चिंगारी से नहीं बच पाया है। पश्चिम बंगाल में हालात सबसे अधिक बेकाबू हैं। यहां तो मोदी सरकार द्वारा किये गये वक्फ कानून में बदलावों के विरोध के नाम पर हिन्दुओं को टारगेट किया जा रहा है। उनकी संपत्ति को आग लगाई जा रही है। मुर्शिदाबाद के हाल तो सबसे अधिक चिंताजनक हैं। जहां से बड़ी संख्या में हिन्दू अपनी जान और बहू बेटियों की इज्जत बचाने के लिये रात के अंधेरे में पलायन को मजबूर हो गये। ऐसी वारदातों पर लगाम लगाने की बजाये ममता बनर्जी कहती हैं कि 33 फीसदी मुसलमानों को फेंक थोड़ी दिया जायेगा। बात यूपी की करें तो मोदी सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव के बाद भी मुसलमान शांत है तो यह वक्फ बोर्ड की विवादास्पद कार्यप्रणाली है,जिससे गरीब मुसलमान भी परेशान है जिसे वक्फ बोर्ड में अभी तक कोई जगह नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वक्फ बोर्ड की तुलना भूमाफिया से की है, खासकर प्रयागराज में कुंभ मेले की भूमि को लेकर विवाद के संदर्भ में। इसके अलावा, वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय का वक्फ बोर्ड पर विश्वास कम हुआ है। जबकि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वक्फ संशोधन विधेयक की आलोचना करते हुए इसे मुस्लिमों के अधिकारों का हनन बताया। वहीं, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण को मुस्लिमों को निशाना बनाने की साजिश करार दिय। हालांकि, मुस्लिम समुदाय के भीतर से एक संगठित और व्यापक प्रतिक्रिया की कमी देखी गई है। वक्फ बोर्ड पर अविश्वास के अलावा अयोध्या में बाबरी मस्जिद के बदले में मिली भूमि पर मस्जिद निर्माण में देरी और वक्फ बोर्ड की निष्क्रियता ने मुस्लिम समुदाय का विश्वास कम किया है। इसके साथ-साथ मुस्लिम समुदाय में शिया-सुन्नी विभाजन और विभिन्न संगठनों के बीच समन्वय की कमी के कारण एकजुट प्रतिक्रिया नहीं हो पा रही है। राजनीति के जानकार यह भी कहते हैं कि योगी सरकार की सख्ती से भी लोग डरे हुए हैं। वह सीएए आंदोलन के समय योगी सरकार के तेवरों को भुला नहीं पाए हैं।योगी आंदोलन के नाम पर हिंसा करने वालों को कहीं का नहीं छोड़ते हैं। सरकारी कार्रवाईयों और सामाजिक माहौल के

कारण मुस्लिम समुदाय में भय का वातावरण है, जिससे वे खुलकर वक्फ कानून का विरोध करने से बच रहे हैं।इन लोगों का अब सुप्रीम कोर्ट का ही भरोसा बचा है,लेकिन वहां से भी कोई खास उम्मीद लगाना बेईमानी होगी। यूपी में वक्फ कानून में बदलाव के बाद की शांति इस लिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रदेश में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों और उनसे जुड़े विवादों की स्थिति काफी जटिल और बहुआयामी है। अक्सर इसको लेकर विवाद होता रहता है। प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। वर्ष 2022 में केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, राज्य में वक्फ के पास कुल 2,14,707 संपत्तियाँ हैं, जिनमें 1,99,701 सुन्नी वक्फ और 15,006 शिया वक्फ संपत्तियाँ शामिल हैं। हालांकि, 2014 में जारी एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कुल 1,24,720 वक्फ संपत्तियाँ थीं, जिनमें से 1,19,451 सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास और 5,269 शिया वक्फ बोर्ड के पास थीं। वक्फ संपत्तियों में धार्मिक स्थल,मस्जिदें, ईदगाह,दरगाहें,कब्रिस्तान,मदरसे, आशूरखाने, धर्मार्थ अस्पताल, दुकानें, बाजार, कृषि भूमि शामिल हैं। ये संपत्तियाँ वक्फ करने वालों द्वारा धार्मिक, सामाजिक और जनहित के उद्देश्य से वक्फ बोर्ड के अधीन कर दी जाती हैं और इनका प्रबंधन वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत होता है, इस अधिनियम के तहत, प्रत्येक राज्य में वक्फ बोर्ड की स्थापना की गई है, जो इन संपत्तियों का प्रबंधन और संरक्षण करता है,जिसमें 2013 में यूपीए की मनमोहन सरकार ने कई बड़े बदलाव कर वक्फ बोर्ड को अपार अधिकार दे दिये थे, जिसको लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा था। खैर, उत्तर प्रदेश में वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों की संख्या भी अत्याधिक है। वर्ष 1976 में प्रदेश सरकार ने वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण के लिए एक बोर्ड का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट 1988 में प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में कुल 1,32,140 वक्फ संपत्तियां थीं, जिनमें 1,24,355 सुन्नी वक्फ और 7,785 शिया वक्फ थीं। हालांकि, वक्फ मैनेजमेंट सिस्टम ऑफ इंडिया (वामसी) के अनुसार, यह संख्या 2.37 लाख तक पहुँच गई है। इन संपत्तियों में से कई पर स्वामित्व को लेकर विवाद हैं, जहाँ वक्फ बोर्ड और राज्य सरकार दोनों ही दावे कर रहे हैं। इसके अलावा, कई संपत्तियां अतिक्रमण की शिकार हैं, जहां लोगों ने कब्जा कर रखा है और किराया तक नहीं दे रहे। इन्हीं खामियों को दूर करने के लिये मोदी सरकार ने वक्फ कानून में बदलाव किया है। दरअसल, वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में कई प्रशासनिक चुनौतियां सामने आती हैं। वक्फ बोर्ड की 1.27 लाख संपत्तियों में से केवल 3,000 संपत्तियों का रिकॉर्ड राजस्व विभाग के पास है। कई वक्फ संपत्तियाँ अतिक्रमण की शिकार हैं, जहां लोगों ने कब्जा कर रखा है और किराया तक नहीं दे रहे। तमाम वक्फ संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर वक्फ बोर्ड और राज्य सरकार के बीच कई कानूनी विवाद चल रहे हैं। प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या और उनसे जुड़े विवाद, इन संपत्तियों का उचित प्रबंधन और विवादों का समाधान राज्य सरकार, वक्फ बोर्ड और संबंधित समुदायों के सहयोग से ही संभव है। इसके लिए पारदर्शिता, रिकॉर्ड की सटीकता, और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है ऐसा लगता है मोदी सरकार के वक्फ कानून में संशोधन से एक तरफ वक्फ बोर्ड की मनमानी रूकेगी तो दूसरी ओर वक्फ बोर्ड के फैसलों से पीड़ित पक्ष के लिये न्याय के दरवाजे खुलेगें जो अभी तक बंद नजर आते हैं। गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों और उनसे संबंधित विवादों की स्थिति एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा रहा है। प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या देश में सबसे अधिक है। राज्य में कुल 2,32,547 वक्फ संपत्तियाँ पंजीकृत हैं, जो राष्ट्रीय कुल का लगभग 27 प्रतिशत है। इनमें से सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अंतर्गत 2,17,161, शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अंतर्गत 15,386 संपत्तियाँ आती हैं। इसके अलावा भी प्रदेश में वक्फ बोर्ड ने 57,792 सरकारी संपत्तियों पर वक्फ होने का दावा किया है, जो लगभग 11,712 एकड़ भूमि पर फैली हुई हैं। यह विवाद मुख्य रूप से इस कारण उत्पन्न हुआ है कि कई संपत्तियां, जो वक्फ के रूप में पंजीकृत हैं, उन्हें राजस्व विभाग की रिकॉर्ड में सार्वजनिक उपयोग की भूमि के रूप में दर्ज किया गया है। यूपी के प्रमुख जिलों में विवादों की स्थिति की बात की जाये तो शाहजहांपुर में 2,589 वक्फ संपत्तियों में से 2,371 को सरकारी भूमि के रूप में दर्ज किया गया है। वहीं रामपुर में 3,365 में से 2,363 संपत्तियां सरकारी रिकॉर्ड में हैं।अयोध्या में 3,652 में से 2,116 जौनपुर में 4,167 में से 2,096 बरेली में 3,499 में से 2,000 संपत्तियां विवादित हैं।इसके अतिरिक्त, लखीमपुर खीरी, बुलंदशहर, फतेहपुर, सीतापुर, आजमगढ़, सहारनपुर, मुरादाबाद, प्रतापगढ़ आदि जिलों में भी हजारों वक्फ संपत्तियाँ विवादित हैं। 1995 के वक्फ अधिनियम के तहत ही वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवादों के निपटारे के लिए वक्फ ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई है, जो विशेष न्यायिक निकाय हैं। वर्तमान में, देशभर में वक्फ ट्रिब्यूनलों में 40,951 मामले लंबित हैं, जिनमें से 9,942 मामले मुस्लिम समुदाय द्वारा वक्फ प्रबंधन संस्थाओं के खिलाफ दायर किए गए हैं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

मोदी राज में एनडीए के भीतर पहली बार बगावती स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लौटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की छवि इस बार पहले जैसी ताकतवर नहीं रही। पहले दो कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में थी। इस बार उसे सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह गठबंधन के राजनीति की मजबूरी है। पिछले 11 साल में पहली बार मोदी-शाह की जोड़ी को सहयोगी दलों के बगावती तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार और गुजरात में इसकी शुरूआत हो चुकी है। बिहार में पारस पासवान और मांझी ने बगावत का बिगुल बजा दिया है। वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं उनके भतीजे चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं वक्फ बिल और दलित को लेकर जो नई राजनीतिक स्थिति जमीन पर देखने को मिल रही है। उसके बाद चाचा पारस ने एनडीए से पाला झाड़कर, इंडिया गठबंधन का पल्ला पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी और शाह के गृह प्रदेश गुजरात में भी सेंध लगा दी है। भाजपा के पूर्व विधायक एवं महामंत्री महेश वसावा ने कांग्रेस का पल्ला गुजरात में थाम लिया है। राहुल गांधी बुधवार को गुजरात गए। वहां पर उन्होंने भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगु देशम पार्टी हो या नीतीश कुमार की जनता दल (यू), दोनों ही पार्टियाँ अब गठबंधन में अपने वजूद और हिस्सेदारी को लेकर जरूरत से ज्यादा मुखर हैं। मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व, राज्यों की विशेष मांगें और नीति-निर्माण में अहमियत देने की माँग अब केवल दबे स्वर मे नहीं, बल्कि सार्वजनिक मंचों से एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल उठाने लगे हैं। यह स्थिति दशार्ती है, भाजपा का पहले जैसा एकछत्र राज नहीं रहा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यू में भाजपा ने जिस तरह से सेंध लगाई है उससे बिहार में जनता दल का अस्तित्व समाप्त होने जा रहा है। उड़ीसा वाला खेल भाजपा द्वारा बिहार में खेला जा रहा है। इसकी जबरदस्त प्रतिक्रिया सहयोगी दलों में देखने को मिल रही है। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में डर एवं भय देखने को मिल रहा है। सहयोगी दल अब सत्ता में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी के दावेदारी कर रहे हैं। एनडीए गठबंधन के भीतर असहमति के सुर खुलकर सामने आने लगे हैं। सहयोगी दलों में अब मोदी-शाह और ईडी, सीबीआई का भी डर नहीं रहा। सहयोगी दल अधिकारों की बात कर रहे हैं। सहयोगी दल अब वन नेशन, वन पॉलिसी जैसी नीतियों पर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं। वक्फ बिल को लेकर भी देश के कई राज्यों में स्थितियां बड़ी तेजी के साथ बदली हैं जिसके कारण छोटे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट खड़ा होता हुआ दिख रहा है। इस घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया के लिए यह दबाव जरूरी है। भाजपा और केंद्र सरकार में अभी जो एकाधिकार है। सहयोगी दल उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। एनडीए में शामिल सभी सहयोगी दल अपनी बात खुलकर सामने रख रहे हैं। अगर इनकी अनदेखी की गई, तो यह बगावत का कारण बन सकता है। जो केंद्र सरकार की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। भाजपा को बदली हुई परिस्थितियों में गठबंधन धर्म का पालन करते हुए संवाद की नीति सहयोगी दलों के साथ अपनाना होगी। केंद्र सरकार और भाजपा को सभी साझेदारों को सम्मान और उनकी मांग को प्राथमिकता देना होगी।तभी मजबूत गठबंधन कायम रह पाएगा। जिस तरह की चुनौती वर्तमान में केंद्र सरकार को मिल रही है।उसमे बढता आर्थिक संकट ,महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक एवं राजनीतिक समीकरण बड़ी तेजी के साथ देश मे बदल रहे हैं। सहयोगी दलों के बगावती स्वर केवल असहमति नहीं,बल्कि भाजपा के लिए एक चेतावनी भी हैं। लोकतंत्र में सत्ता साझा करना स्थायित्व की कुंजी है। सहयोगी दलों को ऐसा लगता है आगे चुनाव जीतना या चुनौतियों का मुकाबला भाजपा के लिए मुश्किल होगा।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

– ललित गर्ग – | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख।

यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीजा का ‘ग्रेट पिरामिड’ आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को ‘इंकाओं का खोया हुआ शहर’ भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्ज़ा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना ‘एल कैस्टिलो’ पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्ज़ा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफन टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है। विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हजारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम ‘स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत’ है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दशार्ती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हजारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं। विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

नये वक्फ कानून से दिक्कत किसे है

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 8 अप्रैल को देशभर में वक्फ संशोधन कानून 2025 लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई है। वक्फ संशोधन विधेयक को पिछले सप्ताह संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई थी। हालांकि इस कानून को कई मुस्लिम संगठनों और राजनेताओं ने अल्पसंख्यक हितों के खिलाफ बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। देश के अलग-अलग भागों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर कांग्रेस समेत देश के विपक्षी दल इसके विरोध को हवा दे रहे हैं। इस कानून के विरोध में याचिका दाखिल करनेवालों में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के प्रतिनिधि समेत 12 लोग शामिल हैं। उधर, केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर मांग की है कि मामले की सुनवाई की पूर्व सूचना उसे भी दी जाए ताकि समय रहते वह भी अपना पक्ष रख सके। इस बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशभर में वक्फ बचाव अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत एक करोड़ लोगों का हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। यह अभियान 7 जुलाई तक चलेगा। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर इस कानून में क्या है जिससे मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों का इस्लाम खतरे में आ गया है।

दरअसल, विपक्ष और नये वक्फ कानून का विरोध करनेवालों का कहना है कि सारा विवाद वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों पर कब्जे को लेकर है। देशभर में वक्फ बोर्डों के पास 9.4 लाख एकड़ की जमीन है। इससे ज्यादा भूमि का स्वामित्व रेलवे और सशस्त्र बलों के पास है। वक्फ बोर्डों के पास यह सम्पत्तियां मुसलमानों द्वारा दान की गई हैं, जिन पर दरगाह, मस्जिद, कब्रिस्तान, मदरसा, दुकान आदि स्थापित हैं। इसके अलावा बहुतेरी कृषि भूमि भी है। इसकी देखरेख के लिए देश के हर राज्य में वक्फ बोर्ड गठित किया गया है। समय-समय पर इन वक्फ बोर्डों पर आर्थिक घपले के आरोप लगाये जाते रहे हैं लेकिन चूंकि वक्फ मामलों की सुनवाई सरिया कानून के तहत होने, वक्फ के फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकने और सार्वजनिक अदालतों में नहीं होने के कारण कोई भी आरोप साबित नहीं हो पाए हैं। उधर वक्फ बोर्डों के पदाधिकारी मालामाल होते रहे हैं। नये वक्फ कानून से आम मुसलमानों को कोई कठिनाई नहीं आएगी। वैसे भी वक्फ ने अपनी आमदनी का उपयोग किसी गरीब मुसलमान की पढ़ाई-लिखाई अथवा उसका जीवनस्तर सुधारने के लिए किया हो इसका उदाहरण नहीं मिलता। काश, अगर वक्फ बोर्ड मुसलमानों की दशा-दिशा सुधारने की कोई पहल करता होता तो आज हालात कुछ और होते। हां, वक्फ बोर्डों पर काबिज लोग जीवनभर ऐशोआराम का जीवन जरूर जीते रहे। संसद में वक्फ बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजजू ने बताया कि वक्फ बोर्डों के पास लाखों करोड़ की सम्पत्ति होने के बावजूद इसका इस्तेमाल गरीब मुसलमानों के पक्ष में नहीं होने के कारण अराजकता की स्थिति थी। हम बिल नहीं लाते तो वह संसद भवन पर भी दावा कर सकते थे। गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि नये बिल से अब वक्फ के आदेश को अदालत में चुनौती दी जा सकेगी। पहले वक्फ का फैसला ही अंतिम होता था। यह गलत धारणा है कि नया वक्फ कानून मुसलमानों के धार्मिक आचरण, उनके द्वारा दान की गई सम्पत्ति में हस्तक्षेप करेगा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी कहते हैं कि देशभर में वक्फ का दुरुपयोग करना एक बीमारी बन गई है। इसे रोकने में नया कानून कारगर होगा। आरिफ साहब कहते हैं कि गरीबों, कमजोरों और जरूरतमंदों पर अपनी आमदनी में से खर्च करने की बात कुरआन में भी लिखी गई है। लेकिन वक्फ यह सब कहां करता था। वक्फ के जरिये न तो कोई अस्पताल चलता है न ही बढ़िया स्कूल-कालेज। इसके जिम्मेदारों ने वक्फ को हमेशा अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया है। इसलिए वक्फ की जमीन पर धर्मार्थ काम करने की जरूरत है। उधर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कहते हैं कि यह कानून मुसलमानों की सम्पत्ति हड़पने के लिए बनाया गया है। यह भारत के मूल विचारों पर हमला है। कांग्रेस इसका विरोध करेगी। ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि भाजपा मस्जिद- मन्दिर में टकराव बढ़ाकर देश को अस्थिरता में धकेलना चाहती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कहती हैं कि वह पश्चिम बंगाल में कानून को लागू नहीं होने देंगी। मुंगेरीलाल की तरह हसीन सपने देखते हुए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कहते हैं कि अगर बिहार में उनकी सरकार बनती है तो वह इस कानून को लागू नहीं होने देंगे। सपा-बसपा के नेता भी कुछ इसी तरह की बात कहते हैं। मुझे कहने दीजिए कि विपक्ष के नेता वक्फ कानून का विरोध कर सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों के हमदर्द बनने का दिखावा कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। ये वही लोग हैं जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए टैरिफ पर चुप रहते हैं। ये वही लोग हैं जो महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या आदि पर सड़क पर निकल कर विरोध करना भूल गए हैं। ये वही लोग हैं जो समाज में जातीयता का जहर घोलने पर आमादा हैं। ये वही लोग हैं जो जाने-अनजाने भाजपा की बनाई बिसात पर चौसर खेलने को अभिशप्त हैं। दरअसल, भाजपा तो शुरू से चाहती है कि देश का जनमत हिन्दू-मुस्लिम में विभाजित हो जाए ताकि उसे आसानी से बहुमत मिलता रहे। सवाल नये वक्फ कानून पर नहीं, बल्कि कानून बनाने के समय पर होना चाहिए।

राधा रमण
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए। परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद... सेंसेक्स 1508 अंक ऊपर आया

मुम्बई ■

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह बाजार की शुरूआत गिरावट के साथ हुई पर दूसरे सत्र में इसमें तेजी आने लगी जो अंत तक बनी रही। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1508.91 अंक करीब 1.96 फीसदी बढ़कर 78,553.20 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का का निफ्टी भी अंत में 414.45 अंक करीब 1.77फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,851.65 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार इसमें तेजी का कारण पिछले दो कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त खरीदी भी रही है। पिछले दो दिनों में ही उन्होंने ?10,000 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। जिससे भी बाजार को बल मिला। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रभाव एशियाई बाजारों और भारत पर भी देखने में आया। तकनीकी शेयरों में बिकवाली से अमेरिका में एनविडिया के शेयरों में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने व्यापार टैरिफ को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को बनाए रखना कठिन हो सकता है। अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.73 फीसदी नीचे आकर 39,669.39 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में 2.24 फीसदी की गिरावट आई और यह 5,275.70 पर बंद हुआ। टेक-हेवी नैस्डैक कंपोजिट 3.07फीसदी नीचे आकर 16,307.16 पर पहुंच गया। सुबह फ्यूचर्स शेयरों में हल्की तेजी रही। डाउ जोन्स फ्यूचर्स में 0.40 फीसदी, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.47फीसदी और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 0.56फीसदी की तेजी रही। एशियाई बाजारों की बात करें तो इसमें मिला-जुला कारोबार हुआ है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.45फीसदी बढ़ा।

मार्च माह में सस्ती हुई खाने-पीने की चीजें, लोगों के साथ सरकार को भी मिली राहत

नई दिल्ली ■

मार्च 2025 में महंगाई से राहत मिली। खासकर खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में आई गिरावट ने न केवल आम लोगों को राहत दी बल्कि केंद्र सरकार को भी राहत मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खुदरा महंगाई दर केवल 3.34 फीसदी रही जो फरवरी में 3.61 फीसदी थी। यह 67 महीने में सबसे कम वृद्धि है जो अगस्त 2019 के बाद देखी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई जबकि फरवरी में यह 2.38 फीसदी थी। इससे साफ है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों का असर है। मार्च में खाद्य महंगाई की रफ्तार सुस्त हुई है। खुदरा बाजार में खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.69 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई जबकि थोक बाजार में यह 1.57 फीसदी रही। यह दशार्ता है कि कीमतों में बढ़ोतरी की गति धीमी हो गई है जिससे आम आदमी को राहत मिली है। खासकर सब्जियों और प्रोटीन उत्पादों की कीमतों में गिरावट आई है जो खाद्य महंगाई को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुई। खाद्य महंगाई नवंबर 2021 के बाद मार्च 2025 में सबसे कम रही है। मार्च में खाद्य महंगाई दर 2.69 फीसदी रही जो नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचले स्तर पर था।

सोना 1 लाख के करीब, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली। दिल्ली के सराफा बाजार में सोने ने एक और रिकॉर्ड बना लिया। 10 ग्राम सोना 1,650 रुपए की बड़ी छलांग लगाकर 98,100 रुपए तक पहुंच गया, यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वैश्विक व्यापार तनाव, खासकर अमेरिका और चीन के बीच, निवेशकों को सुरक्षित विकल्प की ओर मोड़ रहा है और सोना फिर से सबसे पसंदीदा ठिकाना बन गया है। बाजार के जानकारों का कहना है कि मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए, अक्षय तृतीया या इसी महीने के अंत तक सोना 1,00,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर को छू सकता है। वो इसे शादी और दीर्घकालिक निवेश के लिए एक शानदार अवसर मानते हैं। चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल आया। 1,900 रुपए की बढ़त के साथ चांदी 99,400 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। यह भी पिछले कुछ सालों का उच्चतम स्तर है।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली ■

इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है। पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है।

निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है। इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है।

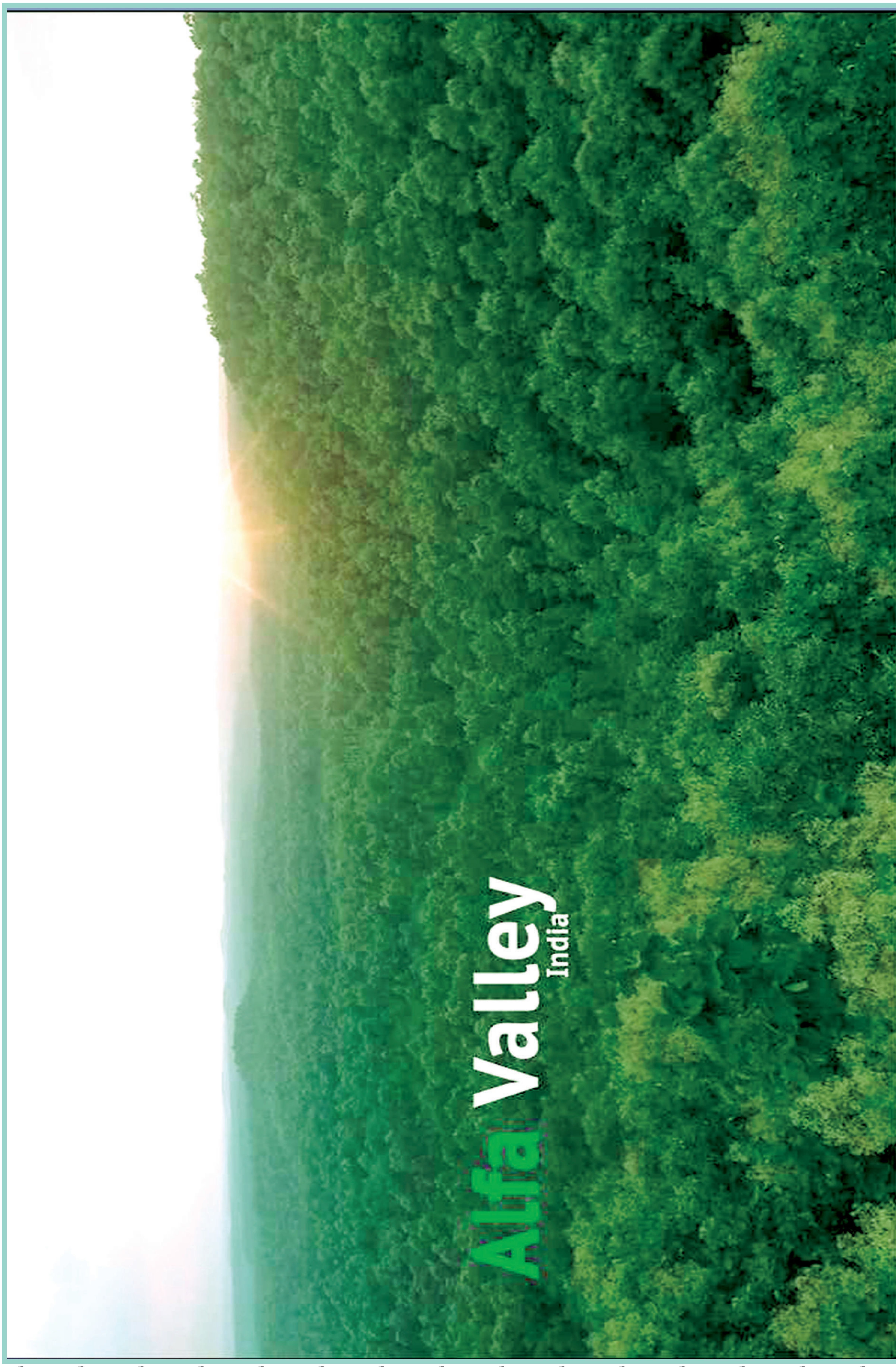
Alfa Valley
India

मनोरंजन

रैंप वॉक को सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रखा बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में इस बार रैंप वॉक को सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें दम और जुनून का तड़का भी लगा दिया। शो ओपनर बनीं अदा ने ब्लैक एंब्रॉयडरी लहंगे में रैंप पर एंट्री की, लेकिन उनका अंदाज़ बाकी हसीनाओं से बिल्कुल अलग और हैरान कर देने वाला था। भारी कढ़ाई वाले ब्लैक लहंगे के साथ अदा ने डीप नेक ब्लाउज और साड़ी स्टाइल में पिन किया हुआ दुपट्टा पहना था, जो पूरे लुक को रॉयल बना रहा था। माथे पर बड़ा मांग टीका, गले में हैवी चोकर और ग्रेसफुल मेकअप ने उनके लुक को बेहद एलिगेंट और क्लासिक बना दिया। न्यूड लिपशेड, हल्का फाउंडेशन और शार्प कंटूरिंग से उनके फेस का ग्लो और आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा था। लेकिन असली सरप्राइज़ तब मिला जब अदा शर्मा हाथ में तलवार लेकर रैंप पर आगे बढ़ीं। एक योद्धा रानी की तरह उन्होंने न सिर्फ तलवार के साथ ग्रेसफुल वॉक किया बल्कि बीच रैंप पर रुककर मार्शल आर्ट्स मूव्स भी दिखाए। दोनों हाथों में तलवार थामे उन्होंने स्ट्राइकिंग पोज़ दिए, जिनमें उनकी ट्रेनिंग और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। इस इवेंट में हेमा मालिनी, मनारा चोपड़ा समेत कई सेलेब्स ने शिरकत की।

बहन-भाई से अलग हुईं सिंगर सोनू कक्कड़, जताया दुख

हाल ही में सिंगर सोनू कक्कड़ ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने सभी को हैरानी में डाल दिया। सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट शेयर करते हुए सोनू कक्कड़ घोषणा की कि वह अब अपने भाई-बहन नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ से अलग हो रही हैं। सोनू की यह पोस्ट जैसे ही इंटरनेट पर आई, देखते ही देखते वायरल हो गई और फैंस के बीच हलचल मच गई। इस पोस्ट में सोनू कक्कड़ ने लिखा, आप सभी को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं अब दो सुपर टैलेंटेड सुपरस्टार्स टोनी कक्कड़ और नेहा कक्कड़ की बहन नहीं हूं। मेरा यह निर्णय गहरे भावनात्मक दर्द से उपजा है और मैं आज वास्तव में बहुत निराश हूं।इस बयान के कुछ ही समय बाद सोनू ने यह पोस्ट डिलीट भी कर दी, लेकिन तब तक यह सोशल मीडिया पर जमकर फैल चुकी थी। इस बयान ने लोगों को भावनात्मक रूप से झकझोर दिया है क्योंकि कक्कड़ सिब्लिंग्स को अब तक इंडस्ट्री के सबसे करीबी भाई-बहनों में गिना जाता था। खास बात यह है कि यह खुलासा टोनी कक्कड़ के जन्मदिन के कुछ ही दिन बाद हुआ, जिस मौके पर सोनू नजर नहीं आई थीं। तभी से फैंस के बीच चर्चा शुरू हो गई थी कि शायद परिवार में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। नेहा, टोनी और सोनू कक्कड़ का संघर्षों से भरा सफर किसी से छिपा नहीं है। बचपन में बेहद गरीबी में पले-बढ़े इस परिवार की शुरुआत सोनू कक्कड़ ने की थी, जो माता के जागरणों में गाया करती थीं। नेहा भी सोनू के साथ इन आयोजनों में गाने लगीं और धीरे-धीरे तीनों भाई-बहन ने सिंगिंग की दुनिया में नाम कमा लिया।

बीकानेर में रियल एस्टेट में निवेश कर रही हैं चारू: राजीव सेन

एक्ट्रेस चारू असोपा के एक्स हसबेंड राजीव सेन ने साफ तौर पर कहा कि चारू आर्थिक तंगी में नहीं हैं, बल्कि बीकानेर में रियल एस्टेट में निवेश कर रही हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि या तो चारू ने वहां घर खरीद लिया है या खरीदने की योजना बना रही हैं, और प्रॉपर्टी खरीदना कोई सस्ता सौदा नहीं होता। उनके मुताबिक, अगर कोई महिला आर्थिक तनाव में है, तो वह नया घर खरीदने और महंगे खर्चों का जोखिम नहीं उठाएगी। राजीव ने चारू के व्लॉग्स का जिक्र करते हुए कहा कि वह अक्सर खरीदारी करती नजर आती हैं और हाल ही में अपने भाई-भाभी को लेकर एक महंगे क्रूज ट्रिप पर भी गई थीं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब वह इतने खर्च कर सकती हैं, तो फिर फाइनेंशियल स्ट्रगल की बात कहां से आती है? राजीव ने केवल आर्थिक दावों पर ही नहीं, बल्कि बेटी जियाना से मुलाकात को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जब से चारू बीकानेर गई हैं, वह अपनी बेटी से मिलने के लिए उन्हें लगातार मैसेज कर रहे हैं लेकिन चारू कोई जवाब नहीं दे रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि निजी मामलों को पब्लिक में लाना गलत है, खासकर जब बात बच्चों और फाइनेंशियल मामलों की हो। गौरतलब है कि चारू असोपा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि मुंबई में रहना उनके लिए काफी महंगा हो गया था और इसी वजह से उन्होंने बीकानेर लौटने का फैसला किया। चारू और राजीव ने 2019 में शादी की थी और 2021 में एक बेटी के माता-पिता बने। 2023 में दोनों का तलाक हो गया। अब यह सार्वजनिक बहस एक बार फिर उनके रिश्तों की खटास को उजागर कर रही है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और पंजाब में मुकाबला

बेंगलुरु ■ एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी पर आरसीबी को इसमें घरेलू हालातों का लाभ मिल सकता है। अभी तक दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों ने अब तक चार-चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल किये हैं पर रेट रन रेट के आधार पर आरसीब तीसरे जबकि पंजाब चौथे स्थान पर है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बज्लेबाज और गेंदबाज हैं , ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा। इस मैच में आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ओर पंजाब के स्पिनर युजवेंद्र चहल के बीच कड़ी टक्कर होगी। चहल ने पिछले मैच में जबरदस्त गेंदबाजी कर अपनी टीम की ओर से 112 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफलता हासिल की थी। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर पिछले मैचों में स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ा था। जिसको लाभ पंजाब के स्पिनर उठाना चाहेंगे। पंजाब के पास चहल के अलावा स्पिनर के तौर पर ग्लैन मैक्सवेल भी हैं। मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी में रहे हैं और वह मैदान के हालातों को भी समझते हैं।

वहीं आरसीबी के पास भी क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा जैसे अच्छे स्पिनर हैं जो पंजाब के कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्य पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। श्रेयस के अलावा इस सत्र में प्रियांश ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन जैसे अच्छे तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं आरसीबी के पास तेज गेंदाजाज के तौर पर अनुभवी जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार हैं जिनका लाभ उसे मिलेगा। आरसीबी के लिए सकारात्मक बात ये है कि उसके कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक टीम को अच्छी सफलता दिलायी है। रजत पहली बार कप्तानी कर रहे हैं जबकि श्रेयस ने अपनी कप्तानी में पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलायी थी। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी अहम भूमिका रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमों किसी भी मामले में कम नहीं है ऐसे में बराबरी की टक्कर है। आरसीबी की बल्लेबाजी में काफी गहरायी है। वहीं पंजाब के पास जुनूनी खिलाड़ी हैं हालांकि ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के बल्ले की खामोशी उसके लिए परेशानी बन सकती है।

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लुंगी एनगिडी। अभिनंदन सिंह, मोहित राठी।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, पला अविनाश।

स्टार्क की यॉर्कर गेंदबाजी ने बदला मैच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 12 गेंदों में सभी 12 यॉर्कर डालकर सभी को हैरान कर दिया। इस मैच में दिल्ली की जीत में स्टार्क की भी अहम भूमिका रही। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन से मैच पलट दिया। उसने अंतिम ओवरों में राजस्थान रॉयल्स को अपनी गेंदबाजी से ध्वस्त कर दिया। स्टार्क ने रॉयल्स के खिलाफ ऐसे सटीक यॉर्कर डाले कि उसके बल्लेबाजों को शॉट लगाने का कोई अवसर नहीं मिला जबकि इस मैच में रॉयल्स की टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। उसे अंतिम ओवर में जीत के लिए केवल नौ रन की जरूरत थी पर स्टार्क पेसर ने सिर्फ आठ ही रन दिए, जिससे मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। सुपर ओवर में रॉयल्स के लिए शिमरोन हेटमायर ने 06 और रियान पराग ने 04 रन बनाये। मिचेल स्टार्क ने इस ओवर में छह गेंद यॉर्कर फेंकी, जिसमें एक चौका हेटमायर और एक पराग ने लगाया पर पराग फ्री हिट पर रन आउट हो गए। वहीं यशस्वी जायसवाल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। ऐसे में दिल्ली को जीत के लिए 12 रन बनाने थे।

22 ग्रैंडस्लैम खिताब विजेता राफेल नडाल फ्रेंच ओपन में होंगे सम्मानित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता राफेल नडाल को फ्रेंच ओपन की शुरुआत में सम्मानित किया जाएगा। 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में आयोजित सम्मान समारोह में नडाल के योगदान को सराहा जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने गुरुवार को कहा- राफा ने कई मायनों में फ्रेंच ओपन के इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी है इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा।

पिछले साल लिया था संन्यास

फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल से संन्यास ले लिया था। क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम के गलियारे में पहले से ही नडाल की एक प्रतिमा बनी हुई है। वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम दफा 2024 में खेले थे लेकिन इसमें पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे।

श्रेयस ने अपने प्रदर्शन से केकेआर प्रबंधन को दिया करारा जवाब

मुम्बई ■ एजेंसी

आईपीएल के इस सत्र में अब तक कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में टीम मालिक शाहरुख खान व सीईओ वेंकी मैसूर और प्रबंधन कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं करने के लिए पछता रहे होंगे। श्रेयस की कप्तानी में पिछली बार केकेआर ने खिताब जीता था।

वहीं श्रेयस ने अपनी पुरानी फ्रैंचाइजी केकेआर को इस सत्र में हराकर अपनी उपेक्षा के लिए करारा जवाब दिया है। इस मैच के बाद श्रेयस केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर से भी मिले। तब अय्यर के साथ सुनील नरेन भी मौजूद थे। केकेआर से अलग होने के बाद श्रेयस अय्यर का अपनी पुरानी टीम के खिलाफ ये पहला मैच था। इसमें अय्यर ने अपनी शानदार कप्तानी से अपीन टीम को सिर्फ 111 रन बनाने के बाद भी जीत दिला दी। श्रेयस ने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने के साथ ही आक्रामक फील्ड लगाकर केकेआर पर दबाव बना दिया था। श्रेयस को 2022 की मेगा ऑक्शन में केकेआर ने कप्तान बनाया था। साल 2022 में टीम सातवें स्थान पर रही थी। 2023 में चोट के चलते वह पूरे सीजन से बाहर हो गए थे।

सत्र के पहले डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे अविनाश साबले, 3000 मीटर स्टीपलचेज में उतरेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय एथलीट अविनाश साबले सत्र के पहले डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। साबले 26 अप्रैल को चीन के शियामेन में होने वाली डायमंड लीग में खेलेंगे और 3000 मीटर स्टीपलचेज में चुनौती पेश करने उतरेंगे। इस टूर्नामेंट में ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के सूफियाने अल बक्काली भी हिस्सा लेंगे। साबले पिछले साल सितंबर में डायमंड लीग फाइनल के बाद पहली बार खेल रहे हैं। डायमंड लीग फाइनल में वह आठ मिनट 17.09 सेकेंड का समय निकालकर नौवे स्थान पर रहे थे।

पेरिस ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता केन्या के अब्राहम किबिवोत भी इसमें नजर आएंगे जिन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में साबले को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। 30 वर्ष के साबले पेरिस ओलंपिक में आठ मिनट 14.18 सेकेंड के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे थे। वह पेरिस ओलंपिक के टाइमिंग के आधार पर सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

फेडरेशन कप में हिस्सा नहीं लेंगे साबले

साबले कोच्चि में 21 से 24 अप्रैल तक होने वाली फेडरेशन कप राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगे जो कोरिया में अगले महीने होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में चयन के लिए आखिरी टूर्नामेंट है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने एशियाई चैंपियनशिप में चयन के लिए सभी खिलाड़ियों का फेडरेशन कप में खेलना अनिवार्य कर दिया है। इसमें उन्हें ही छूट मिली है जो विदेश में प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं या अभ्यास कर रहे हैं।

बीसीसीआई ने टीम के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही इन सदस्यों को बाहर किये जाने की चर्चाएं थीं। इसका कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के साथ ही ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आना बताया जा रहा है। बोर्ड इस बात से सबसे अधिक नाराज था कि टीम की गोपनीय बातें कैसे बाहर आ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को हटा दिया है। नायर 8 महीने पहले ही भारतीय टीम से जुड़े थे। इसके अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई को भी बाहर कर दिया गया है। ये दोनों ही गत तीन साल से भारतीय टीम से जुड़े हुए थे। इनकी जगह पर शीघ्र ही नया सहायक स्टाफ रखा जाएगा। एक साल से भी कम समय में सहयोगी स्टाफ को बाहर किये जाने का कारण टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आने को बताया गया है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा था और उसे 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। बीसीसीआई इस कारण भी नाराज थी कि ड्रेसिंग रूम की बातें बाहर आने से टीम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रह था और खिलाड़ियों के बीच मतभेद की आशंका बढ़ गयी थी।

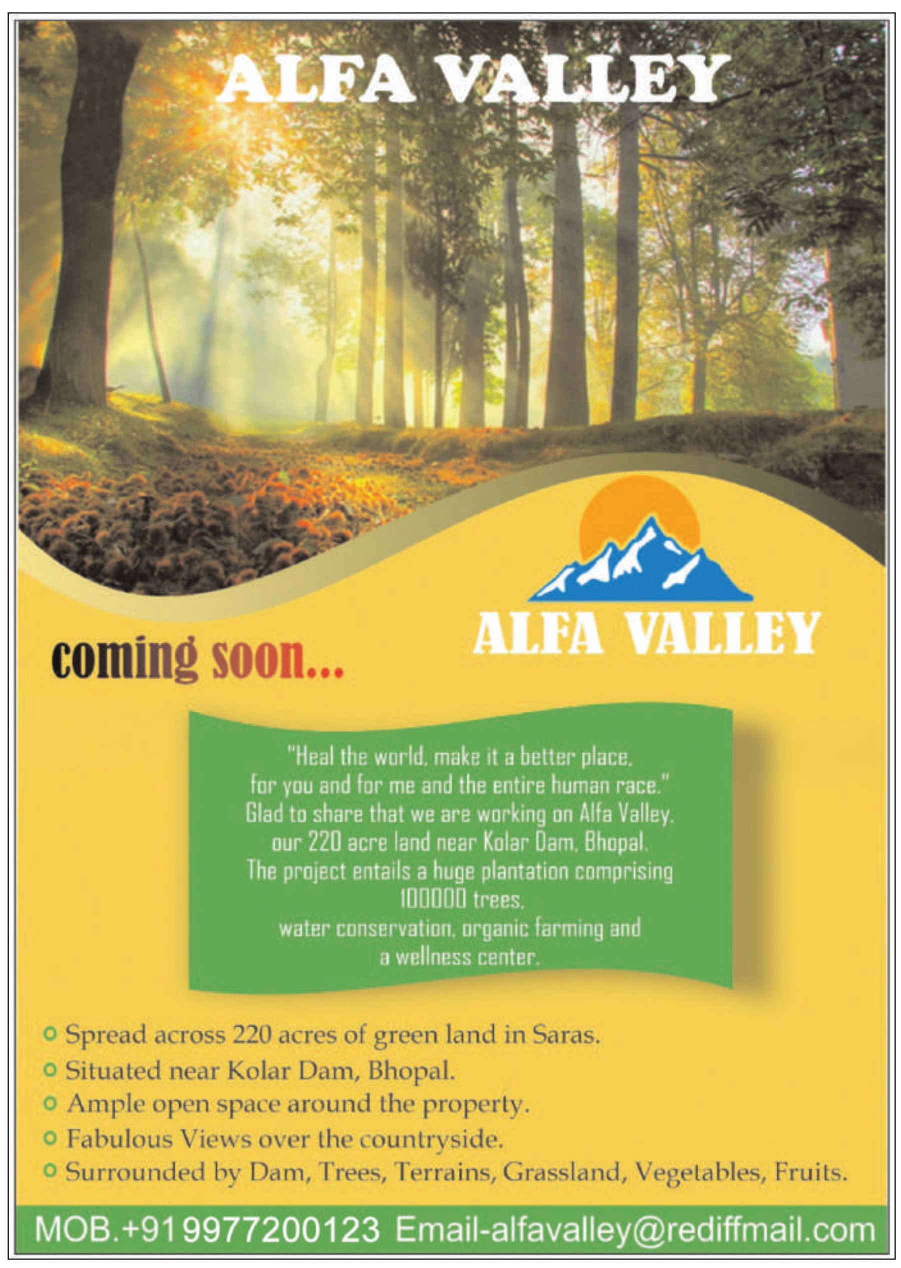

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com